दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
वर्ष :-04
अंकः-298
मुरादाबाद
19 February 2025
(Wednesday)
पृष्ठः-08
मूल्यः- 3.00 रुपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

हैदराबाद हाउस में पीएम मोदी और कतर के अमीर की बैठक, कई अहम मुद्दों पर बनी सहमति

कतर के अमीर का राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम मोदी ने स्वागत किया। इसके बाद अमीर तमीम बिन हमाद अल थानी को सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों से मिलवाया गया। नई दिल्ली स्थित हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कतर के अमीर तमीम बिन हमाद अल थानी के बीच बैठक हुई। इस उच्च स्तरीय बैठक में दोनों देशों का प्रतिनिधिमंडल भी शामिल हुआ। इससे पहले कतर के अमीर तमीम बिन हमाद अल थानी का मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान कतर

के अमीर को राष्ट्रपति भवन में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। अमीर अल थानी का राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम मोदी ने स्वागत किया। इसके बाद अमीर तमीम बिन हमाद अल थानी को सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों से मिलवाया गया। कतर के अमीर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ भी बैठक करेंगे। राष्ट्रपति भवन में कतर के अमीर के सम्मान में भोज का भी आयोजन किया जाएगा।अमीर अल-थानी कल यानी 17 फरवरी की रात को भारत पहुंचे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रोटोकॉल तोड़कर खुद कतर के अमीर का स्वागत करने इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचे थे। इस दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर भी मौजूद थे। कतर के अमीर 17 फरवरी को दो दिवसीय यात्रा पर भारत पहुंचे हैं। उनकी इस यात्रा का उद्देश्य भारत और कतर के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है। साल 2024 के अंत में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी कतर का दौरा किया था। यहां उन्होंने कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल थानी से मुलाकात की थी। यह एक साल में उनकी चौथी कतर यात्रा थी। सोमवार को दोनों देशों के बीच दो समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी हुए। इस दौरान भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और कतर के वाणिज्य और उद्योग मंत्री शेख फैसल बिन थानी भी मौजूद रहे। ये समझौता ज्ञापन दोनों देशों के बीच साझा व्यापार से जुड़े हैं। पीयूष गोयल ने इस दौरान कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश की बड़ी संभावनाएं हैं। कतर के अमीर के साथ प्रतिनिधिमंडल में कई मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी भी भारत दौरे पर आए हैं। इससे पहले मार्च 2015 में कतर के अमीर ने भारत का दौरा किया था। कतर में बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग रहते हैं और कतर के विकास में भारतवंशी समुदाय की अहम भूमिका है।

नए सीईसी की नियुक्ति के 'आधी रात के फैसले' पर राहुल का बड़ा हमला; बोले- यह अपमानजनक और अशिष्ट

राहुल गांधी ने एक्स पर एक पत्र साझा करते हुए पोस्ट में लिखा कि जब मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जा रही है, तब आधी रात को नए मुख्य चुनाव आयुक्त के चयन का फैसला लेना प्रधानमंत्री, गृहमंत्री के लिए अपमानजनक और अशिष्ट है। चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पदोन्नत करके नया मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) बनाया गया है।देश के नए मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जब मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जा रही है, तब आधी रात को नए मुख्य चुनाव आयुक्त के चयन का फैसला लेना प्रधानमंत्री, गृहमंत्री के लिए अपमानजनक और अशिष्ट है।राहुल गांधी ने एक्स पर एक पत्र साझा करते हुए पोस्ट में लिखा कि अगले मुख्य चुनाव आयुक्त का चयन करने के लिए हुई समिति की बैठक के दौरान मैंने प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को एक असहमति नोट प्रस्तुत किया था। इसमें कहा गया था कि कार्यपालिका के हस्तक्षेप से मुक्त एक स्वतंत्र चुनाव आयोग का सबसे बुनियादी पहलू चुनाव आयुक्त और मुख्य चुनाव आयुक्त को चुनने की प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन करके और भारत के मुख्य न्यायाधीश को समिति से हटाकर मोदी सरकार ने चुनावी प्रक्रिया की ईमानदारी को लेकर करोड़ों मतदाताओं की चिंताओं को बढ़ा दिया है। विपक्ष के नेता के रूप में यह

मेरा कर्तव्य है कि मैं बाबासाहब आंबेडकर और हमारे राष्ट्र निर्माताओं के आदर्शों को कायम रखूं और सरकार को जवाबदेह ठहराऊं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री द्वारा नए मुख्य चुनाव आयुक्त के चयन का आधी रात को निर्णय लेना अपमानजनक और अशिष्टतापूर्ण है। जबकि समिति की संरचना और प्रक्रिया को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी जा रही है। इस पर 48 घंटे से भी कम समय में सुनवाई होनी है।राहुल गांधी ने अपने असहमति नोट में लिखा कि जून 1949 में एक स्वतंत्र चुनाव आयोग की स्थापना पर चर्चा के लिए संविधान सभा में बोलते हुए डॉ. बाबा साहब आंबेडकर ने भारत के लोकतंत्र और चुनाव आयोग के मामलों में कार्यपालिका के हस्तक्षेप के बारे में चेतावनी दी थी। कार्यपालिका के हस्तक्षेप से मुक्त स्वतंत्र चुनाव आयोग का सबसे बुनियादी पहलू चुनाव आयुक्तों और मुख्य चुनाव आयुक्त को चुनने की प्रक्रिया है। दो मार्च 2023 को एक फैसले में सर्वोच्च न्यायालय की सांविधानिक पीठ ने आदेश दिया कि मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और मुख्य न्यायाधीश की एक समिति द्वारा की जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने हमारी चुनावी प्रक्रिया की अखंडता को लेकर लाखों मतदाताओं के बीच व्यापक चिंता को उठाया। यह सार्वजनिक सर्वेक्षणों में भी दिखता है। यह भारत की चुनाव प्रक्रिया और संस्थानों में मतदाताओं के विश्वास में लगातार गिरावट दिखा रहा है। दुर्भाग्य से सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तुरंत बाद भारत सरकार ने अगस्त 2023 में एक कानून लागू किया। इसने सुप्रीम कोर्ट के आदेश की भावना को दरकिनार कर दिया। कानून ने प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और प्रधान मंत्री द्वारा नियुक्त एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री को शामिल करने और मुख्य न्यायाधीश को समिति से हटाने के लिए सीईसी और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए समिति का पुनर्गठन किया। यह सुप्रीम कोर्ट के आदेश की मूल भावना का घोर उल्लंघन है। इस आदेश को बाद में एक जनहित याचिकाकर्ता द्वारा चुनौती दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 48 घंटे से भी कम समय बाद 19 फरवरी 2025 को मामले पर सुनवाई करने के अपने इरादे का संकेत दिया है। कांग्रेस पार्टी का मानना है कि अगले सीईसी को चुनने की प्रक्रिया को सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई तक टाल दिया जाए और इस बैठक को टाल दिया जाए। इस समिति के लिए अगले सीईसी को चुनने की अपनी प्रक्रिया को जारी रखना संस्थानों के साथ-साथ हमारे देश के संस्थापक नेताओं के लिए भी अपमानजनक और असभ्य होगा, जब इस समिति की संरचना और प्रक्रिया को चुनौती दी जा रही है और जल्द ही सुप्रीम कोर्ट द्वारा सुनवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

नए मुख्य चुनाव आयुक्त होंगे ज्ञानेश कुमार, उत्तर प्रदेश से खास नाता; राजीव कुमार की जगह लेंगे

देश के नए मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) के नाम की घोषणा कर दी गई है। चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पदोन्नत करके नया मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) बनाया गया है। ज्ञानेश कुमार के अलावा एक निर्वाचन आयुक्तनि की नियुक्ति भी की गई है। इसके लिए पीएम मोदी की अध्यक्षता में बैठक हुई, जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष विपक्ष के नेता राहुल गांधी शामिल हुए।चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को भारत का मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) नियुक्त किया गया। मौजूदा मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार का कार्यकाल आज (18 फरवरी) को खत्म हो रहा है। उनकी रिटायरमेंट के बाद ज्ञानेश कुमार सीईसी का पदभार संभालेंगे। खास बात ये है कि वे चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित नए कानून के तहत नियुक्त होने वाले पहले मुख्य निर्वाचन आयुक्त होंगे।1988 बैच के केरल कैडर के आईएएस अधिकारी ज्ञानेश कुमार मार्च, 2024 से ही चुनाव आयुक्त के रूप में काम कर रहे थे। उन्हें पदोन्नत किया गया है। उनका कार्यकाल 26 जनवरी, 2029 तक होगा। ज्ञानेश कुमार पर इस साल बिहार का विधानसभा चुनाव और अगले साल पश्चिम बंगाल, असम और तमिलनाडु का चुनाव संपन्न कराने की जिम्मेदारी होगी।नियुक्ति के लिए पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और कांग्रेस नेता व लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी शामिल हुए।

सीएम योगी बोले- भोजपुरी, अवधी का विरोध कर रहे सपा के लोग, बच्चों को मौलवी बनाना चाहते हैं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा पर हमला करते हुए कहा कि समाजवादियों का चरित्र दोहरा हो चुका है। ये लोग देश को कठमुल्लापन की ओर ले जाना चाहते हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष, विशेष रूप से समाजवादी पार्टी, पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सपा अपने बच्चों को इंग्लिश मीडियम स्कूलों में पढ़ाएगी और जब सरकार आम जनता के बच्चों को बेहतर सुविधाएं देने की बात करती है, तो ये लोग उर्दू थोपने की वकालत करने लगते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा देश को कठमुल्लापन की ओर ले जाना चाहती है,

जो कतई स्वीकार्य नहीं होगा।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश की स्थानीय बोलियों भोजपुरी, अवधी, ब्रज और बुंदेलखंडी को विधानसभा की कार्यवाही में स्थान देने के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इन बोलियों को हिंदी की उपभाषाएं मानते हुए सरकार इनके संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। सीएम योगी ने कहा कि हमारी सरकार इन भाषाओं के लिए अलग-अलग अकादमियों का गठन कर रही है, ताकि ये समृद्ध हों। ये हिंदी की बेटियां हैं और इन्हें उचित सम्मान मिलना चाहिए। यह सदन केवल विद्वानों के लिए नहीं है, बल्कि समाज के हर वर्ग की आवाज को यहां स्थान मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो लोग भोजपुरी, अवधी, ब्रज और बुंदेलखंडी का विरोध कर रहे हैं, वे दरअसल उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत के विरोधी हैं। उन्होंने समाजवादी पार्टी को निशाने पर लेते हुए कहा कि इनका चरित्र ही दोहरा हो चुका है। सीएम योगी ने कहा कि ब्रजभाषा इतनी समृद्ध है कि संत सूरदास ने इसी भाषा में अपनी रचनाएं दीं। इसी तरह, संत तुलसीदास जी ने अवधी में रामचरितमानस की रचना की, जो न केवल उत्तर भारत बल्कि प्रवासी भारतीयों के लिए भी संकट काल में संबल बनी। उन्होंने कहा कि जो लोग आज भोजपुरी, अवधी और ब्रज भाषा का विरोध कर रहेहैं, वे दरअसल भारत की सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं के विरोधी हैं। यह दुखद है कि जब इन भाषाओं को सम्मान दिया जा रहा है, तब कुछ लोग इसका विरोध कर रहे हैं। हर अच्छे कार्य का विरोध करते हैं समाजवादी- सीएम योगी ने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी का स्वभाव ही यह बन चुका है कि वे हर अच्छे कार्य का विरोध करेंगे। उन्होंने कहा कि आप लोग प्रदेश और देश के हित में किए जाने वाले हर सकारात्मक कदम का विरोध करते हैं। यह नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि विधानसभा सचिवालय ने जब स्थानीय भाषाओं को मान्यता दी तो समाजवादी पार्टी ने इसका भी विरोध किया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सपा का यह दोहरा रवैया जनता को समझ में आ रहा है और उन्हें समाज के सामने एक्सपोज किया जाना चाहिए। देश को कठमुल्लापन की ले जाना चाहते हैं समाजवादी सीएम योगी ने कहा कि उनकी सरकार भोजपुरी, अवधी, ब्रज और बुंदेलखंडी को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इन भाषाओं को सम्मान दिलाने के लिए भोजपुरी अकादमी, अवधी अकादमी और ब्रज अकादमी की स्थापना की जा रही है। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपनी मातृभाषाओं को सहेजें और उन्हें आगे बढ़ाएं। विपक्ष का यह विरोध बताता है कि वे न केवल विकास के विरोधी हैं, बल्कि हमारी संस्कृति के भी विरोधी हैं। ये लोग अपने बच्चों को इंग्लिश स्कूल में पढ़ाएंगे और दूसरे के बच्चे के लिए अगर वह सुविधा सरकार देना चाहती है तो कहते हैं कि नहीं उर्दू पढ़ाओ इसको। यानि ये बच्चों को मौलवी बनाना चाहते हैं। देश को कठमुल्लापन की ले जाना चाहते हैं यह नहीं चल सकता है।

शिवपाल बोले- 144 साल बाद महाकुंभ का जिक्र शास्त्रों में कहीं नहीं है... आस्था से खिलवाड़ कर रही भाजपा

सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि भाजपा सनातन धर्म का दिखावा करके लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ कर रही है। सरकार के पैसे का प्रयोग पीआर के नाम पर किया गया है।

यूपी विधानसभा सभा का बजट सत्र सोमवार से प्रारंभ हो गया है। सत्र के पहले ही दिन सपा ने भाजपा सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि महाकुंभ के नाम पर भाजपा ने लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ किया है। शास्त्रों में 144 साल बाद महाकुंभ का कहीं भी जिक्र नहीं किया गया है। ये लोग सनातन धर्म का दिखावा करके लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि महाकुंभ में अव्यवस्थाओं का

बोलबाला है। सरकारी पैसे का दुरुपयोग पीआर के लिए किया गया है। ऐसी सरकार को इस्तीफा दे देना चाहिए।

हंगामेदार रही बजट सत्र की शुरुआत- वहीं, बजट सत्र की शुरुआत हंगामेदार रही राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सत्र के प्रारंभ अपने अभिभाषण को पूरा नहीं पढ़ सकीं। उनके अभिभाषण के दौरान विपक्ष के लोग राज्यपाल वापस जाओ के नारे लगाते रहे। सत्ता पक्ष ने विपक्ष के इस व्यवहार की निंदा की। यूपी के वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि विपक्ष का रवैया बहुत ही गैर-जिम्मेदाराना है।

इनका काम विरोध करना है, ये हर बात में नेगेटिव सोचते हैं। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि विपक्ष का आचरण गैर-जिम्मेदाराना है। राज्यपाल के अभिभाषण के माध्यम से प्रदेश में जो सरकार काम कर रही है उसकी जानकारी दी जाती है। समाजवादी पार्टी का आचरण सदा ऐसा ही रहा है कि वे महामहिम राज्यपाल का आदर करने के बजाय हल्लाबोल करते हैं... समाजवादी पार्टी ने यह दिखा दिया कि वे एक जिम्मेदार राजनीतिक दल कम और अराजकता फैलाने वाला दल ज्यादा है।

संपादकीय Editorial

This partnership of big and small

Of course, American President Donald Trump gave a warm welcome to Prime Minister Modi in the White House. He was called a 'great leader' and Trump wrote on his book - 'You are great'. Trump also missed Modi a lot. This may be a formal gesture, although Trump has not used such words in relation to any other global leader, but along with their 'eleven-day friendship', both of them are also the supreme leaders of their respective countries, so both are committed to make their countries 'great again'. Both India and America are huge and ancient democracies, but it is also a reality that in this summit dialogue, America has the power of a senior country and India has been that of a junior partner country. This tradition and this imbalance of power has been there between America and India, because it is a country with an economy 8 times bigger than ours. Both countries have been fighting a joint battle against terrorism since the 9/11 terrorist attack in New York. America has decided to hand over Tahawwur Rana, a diabolical conspirator of the 26/11 Mumbai terror attack, to India. We should be grateful for that, perhaps some closed and mysterious links of terrorism can be opened. But Tahawwur has been in American jail since 2009. America is handing him over to us after a long 16 years, so this is a questionable situation. Global leaders have been expressing their concern on terrorism and have also been making public statements of a joint fight, but the reality is that every country has its own fight against terrorism. It will be a relief that our court will be able to take a decision on Tahawwur's terrorism and even send him to death. Anyway, President Trump has made his policy clear on the issue of tariff or customs duty. It is in the context of all countries. Both the heads of governments have not clarified anything on tariff between India and America. It has definitely been announced that a trade agreement can be reached at the end of the year. President Trump is basically a person of mercantilist mindset, hence he wants to expand US military deals with India so that the trade deficit can be reduced. The US President has offered to give India the state-of-the-art F-35 stealth fighter aircraft with this intention. The US has certainly sold this aircraft to NATO countries. India will be the first country outside them. Of course, this is the only 5th generation fighter aircraft. At present, the matter is limited to the offer, the proposal only, because India will also have to keep its military needs in mind. India has sufficient strength of Rafale fighter aircraft, which is a 4-5 generation aircraft. Of course, the armored vehicle that the US has talked about giving to India, can prove to be useful in areas like Ladakh, Rajasthan and Arunachal Pradesh. President Trump and Prime Minister Modi also discussed about illegal Indian immigrants. Prime Minister Modi accepted that illegal immigrants have no legal right to live in any other country, hence he gave his approval to take back such Indians, but Modi urged Trump that this is a long battle. Joint action will have to be taken against human trafficking fraudsters.

Obstacles to the goal of developed India, we have to do wonders in the field of technology and AI

The basis of the progress of digital technology lies in the knowledge of science. The countries which will be the leaders in digital science and technology will rule the world. In the recent Artificial Intelligence Summit held in Paris, it was clear from the statement of US Vice President JD Vance that America is gearing up to remain the leader in all the fields of AI. Prime Minister Modi's goal of developed India is commendable. All the countrymen should focus on this goal of his. Prime Minister Modi has been repeatedly saying that India should achieve the goal of developed country by 2047. In 2047, we will complete 100 years of our independence. This is a difficult goal, because 2047 is now only 22 years away. 22 years pass in the blink of an eye in the lifetime of a country. Even after this, if we Indians commit ourselves to achieving the goal of developed India, then all the obstacles can be easily overcome. To achieve the goal of developed India, educated India, healthy India and prosperous India are also required. Along with this, there is also a need for a socially peaceful India and that the political class of the country should forget its ideological differences and agree on measures to maintain an atmosphere of peace and harmony in the country and to face the security challenges. It is natural that we will have to give the highest importance to an educated India. The country will have to ensure that every citizen is educated. Special attention will have to be paid to the education of the youth. The good thing in this context is that at present people from almost all sections of the society want their children to get good education. This was not the case at the time of independence or the period after that. Special attention should be paid to improving the quality of primary and secondary education. The central and state governments should not completely depend on the private sector in improving the quality of education and should take the command in their own hands, so that the large number of students going to government schools can be ensured to get quality education. Additional attention should be paid to providing high level education in technology and science at all levels. We should not ignore the fact that ancient India was leading the world in many fields of science. Our ancient texts contain excellent knowledge on subjects ranging from medicine to astronomy. There is no doubt that ancient India was a leader in many fields of science, but it is also true that later our progress in this field stagnated. This stagnation continued for centuries. From the 15th century, European countries started making progress in the field of science and technology. With progress in these fields, their military power also increased. After this, the Industrial Revolution came in these countries in the 19th century. This made Europe so powerful that large parts of Asia, Africa and South America became its colonies. India too became a colony of Britain and also became a victim of its exploitation. Our leaders of the freedom movement realized that one of the main reasons for India's decline was lagging behind in the field of science and technology. After independence, Jawaharlal Nehru became the Prime Minister. He can be blamed for many policy mistakes, but the country should be grateful to him for the fact that he showed full commitment to bridge the gap in the field of science and technology between Europe and India. He took special interest in establishing advanced institutions of science and technology. Some of these achieved international fame and some proved helpful in the Green Revolution and industrial progress. It can be debated that Nehruji should have trusted the private sector more, but it cannot be denied that due to the institutions established by him, the gap between the West and India in many areas of science and technology including nuclear and space decreased. Now in today's digital era, the world has entered a new era in terms of science and technology. The speed of digital technology is rapidly changing the world. Today it can be said that the scenario of 2025 has completely changed compared to the past. Digital technology and its use is affecting every area of ??human life, i.e. social, political, economic and cultural. The basis of the progress of digital technology lies in the knowledge of science. The countries which will be the leaders in digital science and technology will rule the world. In the recent Artificial Intelligence Summit held in Paris, it became clear from the statement of US Vice President JD Vance that America is gearing up to remain the leader in all areas of AI. The conference was co-chaired by the Indian Prime Minister and the President of France. JD Vance's statement was specifically in the context of China, whose AI app DeepSeek has attracted the attention of the whole world. India should also pay attention to his comment. India is doing good work in the field of AI, but in some cases it is behind America, Europe and China. Many experts feel that the gap between India and these countries is increasing in the field of digital science and technology. This is a warning signal in every respect. While the government should do everything it can at its level, but at the same time the private sector of the country must pay special attention to spending its resources on research and development on a large scale. Some of our private sector people are among the richest people in the world. They should develop a culture of research. They cannot depend on getting technology from abroad because there is a risk in spending on research. The government and the private sector should realize that no country will give us its advanced technology. If India really wants to become a global power, then apart from being the third largest economy in the world, it will also have to become a leader in the field of science and technology and especially AI.

Introduction of cheap politics on Sanskrit, we have to be cautious of divisive leaders

The aim of the Government of India is to provide translation facilities in all the 22 languages ??recognized by the Constitution. It is ironic that while this inclusive and democratic initiative of the Indian Parliament to promote linguistic diversity is being praised wholeheartedly on various platforms, unnecessary objections are being raised to it in India for the fulfillment of narrow political interests. India is a country that celebrates diversity. Despite different attire, food, lifestyle, language and dialect, our internal unity amazes the world. Maha Kumbh is a living example of this, but the parties and politicians doing divisive politics want to divide India in the name of imaginary discrimination between North and South and linguistic identity. Instead of considering language as an eternal source of knowledge, tradition and culture, heritage and a medium of expression and dialogue, they want to make it a means of politics. Perhaps that is why after making many insulting and hateful comments on Sanatan culture, now DMK and its leaders are spewing venom against Sanskrit as well. The opposition to the immediate translation of the proceedings of the House into Sanskrit is beyond comprehension. It is not that this facility has been made available only in Sanskrit, but along with Sanskrit, now the proceedings of the House will also be translated immediately in Bodo, Dogri, Maithili, Manipuri and Urdu. It is worth mentioning that apart from English and Hindi, the facility of simultaneous translation is already available in languages ??like Assamese, Bengali, Gujarati, Kannada, Malayalam, Marathi, Oriya, Punjabi, Tamil, Telugu. The Government of India aims to provide translation facilities in all the 22 languages ??recognized by the Constitution. It will be called an irony that while this inclusive and democratic initiative of the Indian Parliament to encourage linguistic diversity is being praised wholeheartedly on various platforms, unnecessary objections are being raised to it in India for the fulfillment of narrow political interests. Lok Sabha Speaker Om Birla, while expressing regret over DMK leader Dayanidhi Maran's objection to Sanskrit translation, asked the right question, "Which country of the world are you living in? This is India and the original language of India has been Sanskrit. We talked about translation in 22 languages, but why do you object only to Sanskrit and Hindi?" Actually, this episode has exposed the real face of DMK. It is unfortunate that despite being endowed with many features and being absolutely suitable from the point of view of science and technology, Sanskrit has been neglected completely. Whereas the fact is that in the conclusion of repeated research and investigation, Sanskrit has been declared the most suitable language for computers and artificial intelligence. Sanskrit has been considered the most accurate and scientific language for computers because it can be read and spoken exactly as it is written. It is a unique and unparalleled language in terms of scientific sequence of sounds and letters based on vocal cords, breath, mouth organs, etc., metal formation, word formation, word order, elegance of words, sentence structure, expansion of meaning, etc. While in other languages ??of the world it is very difficult to explain the logical basis, reason and purpose behind the words used for a particular thing or person, in Sanskrit the justification for naming things and people can be proved on the basis of qualities, characteristics, meanings, etc. It can be said in sutras. Here there is discipline of verses, not the grammar of anarchy. It is a language of rhythm, melody and beat. Where there is rhythm, there is movement and movement is life and inertia is death. Therefore, Sanskrit is the language of life and the mantra of life. Being one of the oldest languages ??of the world, Sanskrit shows amazing similarity with the vocabulary used in most languages ??of the country and abroad. Being the mother of most dialects and languages ??of India, it is very helpful in national unity and integrity. Renowned thinker and freedom fighter Kanhaiyalal Maniklal Munshi writes- "If Sanskrit was not the national language, it would not have been possible for Acharya Shankaracharya, who belonged to the far south region of Malabar, to unite the entire country in the thread of all-pervasive intellectual, religious, social and cultural unity." When other civilizations of the world had not even developed languages ??for communication, the verses of the Vedas were being composed in Sanskrit, which are still considered the best poems of life and philosophy. After the Vedas, Upanishads, Ramayana, Mahabharata, Shrimad Bhagwat, Aranyak, Brahmin texts and Puranas were also composed in Sanskrit. From art, music, literature, culture, yoga, Ayurveda, religion, philosophy, ethics and history to mathematics, science, geography, geology, astronomy, astrology, Vastu etc., there is hardly any such field of life and world in which there is no availability and abundance of Sanskrit texts. From Adi Shankara, Ramanujacharya, Madhvacharya Mimansaks to all other sages and Indian philosophers, they made Sanskrit the medium of their own experience and philosophical discourse. That is why today the need is to increase the propagation of Sanskrit. The opponents of Sanskrit perhaps do not remember that the chairman of the drafting committee of the Constitution and the first law minister of the country, Dr. Bhimrao Ambedkar, had also advocated Sanskrit as the official language of the Indian Union. Will leaders like Dayanidhi declare him also as a leader or worker of the Rashtriya Swayamsevak Sangh? The truth is that Sanskrit is a language that unites the country, which those doing divisive politics can hardly understand.

सीएम ग्रिड योजना के अंतर्गत सड़क निर्माण कार्य में आई तेजी, 25 करोड़ रुपये से हो रहा निर्माण

नगर आयुक्त ने कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों से काम की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा

मुरादाबाद- नगर विकास विभाग की ओर से मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट स्कीम (सीएम ग्रिड) के अन्तर्गत 25 करोड़ रुपये की लागत से चौधरी चरण सिंह चौक से लेकर केल्टन स्कूल तक 1.5 किलोमीटर लंबी सड़क का सुनियोजित, जनोपयोगी व भविष्य की जरूरतों को देखते हुए निर्माण किया जा रहा है। इस अत्याधुनिक सुविधायुक्त सड़क के निर्माण कार्य में जलनिकासी

के भी प्रबंध सुनिश्चित किए जा रहे हैं। जिससे भविष्य में भी इसके खोदाई की जरूरत न पड़े। कार्य में अब तेजी आ गई है। नाला निर्माण चल रहा है। वहीं नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल ने कार्य में गुणवत्ता से समझौता न करने का निर्देश दिया है। अर्बन रोड डेवलपमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर अथॉरिटी (यूरिडा) लखनऊ की 23 जनवरी को आई टीम में डिप्टी सीईओ एके श्रीवास्तव व दो अन्य सदस्य शामिल थे। उन्होंने इसका सर्वे किया था। उनके बताए निर्देश के अनुसार चौधरी चरण सिंह चौक से केल्टन स्कूल तक मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट स्कीम (सीएम ग्रिड) के अन्तर्गत बन रही सड़क का निर्माण चल रहा है। नाला (ड्रेनेज) बनाने का काम इन दिनों किया जा रहा है। जेसीबी से खोदाई कर चौड़ा ड्रेनेज बनाया जा रहा है। जिससे बरसात में इस सड़क पर जलभराव की नौबत न आए। वहीं सेंट्रल लाइन मार्किंग, जीपीआर सर्वे आदि का कार्य पूरा हो चुका है। लखनऊ से आई टीम के निर्देश के क्रम में नगर निगम के स्थानीय अधिकारी इस महत्वाकांक्षी कार्य पर पूरी नजर रखे हैं। नगर निगम के मुख्य अभियंता दिनेश चंद्र सचान का कहना है कि कार्यदायी संस्था के साथ समन्वय बनाकर काम कराया जा रहा है। इसकी कार्यदायी संस्था आरसीसी डेवलपर्स है। इस कार्य की निगरानी अर्बन रोड डेवलपमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर अथॉरिटी (यूरिडा) की ओर से की जा रही है। इस सड़क पर भविष्य में सीवर पाइपलाइन के लिए सड़कों की खोदाई करने से मुक्ति मिलेगी। क्योंकि इसमें पहले ही पाइप डाल दिया जाएगा। सीएम ग्रिड के अन्तर्गत यह होंगी सुविधाएं- सभी प्रकार की केबिल व अन्य सुविधाओं को भूमिगत किया जाएगा। जैसे गैस पाइपलाइन, सीवरेज पाइपलाइन आदि के लिए पहले से ही पाइप डालने की व्यवस्था रहेगी। ग्रीन बेल्ट, रोड साइड प्लाजा मार्ग के दोनों ओर डेडिकेटेड वेंडिंग जोन स्ट्रीट लाइट, फुटपॉथ की व्यवस्था, स्ट्रीट फर्नीचर पार्किंग सुविधा व अन्य कई जनोपयोगी सुविधा

भूमाफिया ने हड़पी चार गांवों की 230 एकड़ जमीन, कागजों में हेरफेर कर अरबों की सरकारी संपत्ति पर किया कब्जा

मुरादाबाद में तहसील कर्मचारियों की मिलीभगत से 230 एकड़ सरकारी जमीन पर भू माफिया ने कब्जा कर लिया। जांच में रिकॉर्ड में हेराफेरी और फर्जी इन्द्राज का भी खुलासा हुआ। कुछ जमीन पर तो बिल्डरों ने नक्शा भी पास करा लिया। सिटी मजिस्ट्रेट ने पूरी रिपोर्ट डीएम को सौंप दी है।मुरादाबाद प्रशासन की जांच पड़ताल में अरबों रुपये की सरकारी जमीन का घोटाला सामने आया है। तहसील कर्मचारियों की मिलीभगत और रिकॉर्ड में हेराफेरी कराकर भू माफिया ने जिले की 230 एकड़ सरकारी जमीन पर कब्जा कर रखा है। इसमें मनोहरपुर, लाकड़ी फाजलपुर, डिडौरी, व मंगूपुरा में सरकारी जमीन के अलावा नदी व ग्राम समाज का रकबा शामिल है।घोटाले की जांच रिपोर्ट डीएम को सौंप दी गई है। जिसे शासन को भेजने की तैयारी है। करीब चार महीने पहले सरकारी जमीनों पर कब्जे की हुई शिकायतों को आधार बनाकर जिला प्रशासन ने पुरानी और नई खतौनियों की जांच शुरू कराई। साथ ही सरकारी जमीन का स्थलीय निरीक्षण भी कराया।सिटी मजिस्ट्रेट किंशुक श्रीवास्तव, एसडीएम सदर डॉ. राममोहन मीना, बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी व भोजपुर के नायब तहसीलदार ने मनोहरपुर, लाकड़ी फाजलपुर, डिडौरी व मंगूपुरा में सरकारी जमीन, नदी और ग्राम समाज की भूमि की जांच पड़ताल की। इसके बाद तहसील कर्मचारियों की मिलीभगत और रिकॉर्ड में हेराफेरी कर सरकारी जमीन कब्जाने की परतें खुलने लगी। इन चार गांवों, नदी और ग्राम समाज की करीब 230 एकड़ सरकारी जमीन पर भू माफिया का कब्जा पाया गया। भू माफिया ने तहसील कर्मचारियों से साठगांठ कर खतौनी में फर्जी इंद्राज करा लिए। बाद में उसे चकबंदी में भी दर्ज करा दिया गया। इन जमीन में से कुछ पर बिल्डरों ने अपनी सोसायटी का नक्शा भी पास करा लिया है। मंगूपुरा गांव से 51 एकड़ का रकबा ही कागजों में गायब करा दिया गया। जांच में इस रकबे का मानचित्र जिला प्रशासन को नहीं मिला है। इसी में पांच एकड़ नदी की जमीन पर कब्जा मिला है। जांच में पाया गया है कि मंगूपुरा व डिडौरी में 18.37 हेक्टेयर का रकबा दोनों गावों में दर्ज है। यानी किसी एक गांव में इतनी जमीन का घोटाला हुआ है। इसमें ग्राम समाज की जमीन भी शामिल है। लाकड़ी फाजलपुर व मनोहरपुर में 59.31 एकड़ का सरकारी रकबा किसानों के नाम दर्शाया गया है। सिटी मजिस्ट्रेट किंशुक श्रीवास्तव ने जांच आख्या डीएम को सौंप दी है। अब इसे शासन को भेजने की तैयारी है। लंबे समय से रिकॉर्ड में हो रही धांधली- जांच टीम ने पाया है कि जमीन के रिकॉर्ड में लंबे समय से लगातार धांधली हो रही है। पहले रसूखदारों ने खतौनी में फर्जीवाड़ा कराया फिर उसे सही साबित करने के लिए चकबंदी में भी शामिल करा दिया गया। के नक्शे होल्ड करा दिए हैं। कई एकड़ जमीन पर बिल्डरों के प्रोजेक्ट खड़े हो गए हैं। अब इन सभी की खरीद फरोख्त पर रोक लग गई है। बिल्डर मामले को सुलटाने की कोशिश में राजनीतिक दखल के लिए सिफारिश लगा रहे हैं। हालांकि अब तक किसी को लाभ नहीं हुआ है।

केवल घोर चिकित्सीय लापरवाही में ही दर्ज हो डाक्टरों पर आपराधिक मुकदमे, चिकित्सकों ने DM अनुज सिंह को सौंपा ज्ञापन

चिकित्सा व्यवसाय में कानूनी अड़चनों को दूर कराने के लिए जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मिले चिकित्सक

मुरादाबाद- चिकित्सा व्यवसाय में कानूनी अड़चनें, डॉक्टरों और अस्पतालों पर लगातार मुकदमें बढ़ने और डॉक्टरों पर उपभोक्ता फोरम के अलावा क्रिमिनल मुकदमें दर्ज होने से आहत चिकित्सकों

ने मंगलवार को जिलाधिकारी अनुज सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल से मुलाकात की। इंडियन एकेडमी आफ पीडियाट्रिक्स के चिकित्सकों के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मिलकर ज्ञापन सौंपा। उन्हें बताया कि इलाज के दौरान मरीज की स्थिति बिगड़ने या मृत्यु होने पर डॉक्टरों पर क्रिमिनल केस दर्ज होने और गिरफ्तारी को रोकने हेतु सुप्रीम कोर्ट ने जैकब मैथ्यूज बनाम पंजाब राज्य, मार्टिन डिसूजा बनाम मो अशफाक, लतिका कुमारी बनाम उत्तर प्रदेश राज्य, कुसुम शर्मा बनाम बत्रा हॉस्पिटल के केस में स्पष्ट गाइडलाइन जारी की है। इसका पालन कराया जाए। इसके अनुसार केवल घोर चिकित्सकीय लापरवाही के मामलों में ही डॉक्टरों पर क्रिमिनल मुकदमा दर्ज हो। क्रिमिनल चिकित्सकीय लापरवाही के मुकदमें पुलिस द्वारा प्रारंभिक जांच के बाद ही दर्ज किए जाएं हों। क्रिमिनल चिकित्सकीय लापरवाही के मामलों में सीएमओ द्वारा बोर्ड की जांच अनिवार्य हो और दोषी पाए जाने पर ही क्रिमिनल मुकदमा चले। डॉक्टरों की अनावश्यक गिरफ्तारी न हो। विवेचक विवेचना से पूर्व अन्य उसी विधा के चिकित्सक की लिखित राय अनिवार्य रूप से ले। इलाज के दौरान मृत्यु होने पर गैर इरादतन हत्या की धारा में मुकदमा दर्ज करने की जगह लापरवाही से मृत्यु की धारा में ही मुकदमा दर्ज हो। डाक्टरों पर मुकदमे दर्ज कर उन पर अनावश्यक दबाव न बनाया जाए। प्रतिनिधिमंडल में डा. केजी गुप्ता, डा. प्रशांत पांडेय सेक्रेटरी इंडियन एकेडमी आफ पीडियाट्रिक, डा. शलभ अग्रवाल, डा. सुनील खट्टर, एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष डा. रवि गंगल, संजीव बेलवाल आदि शामिल रहे।

संक्षिप्त समाचार

एसएसपी ने तीन अपराध निरीक्षक व 19 चौकी प्रभारी बदले, 4 को किया लाइन हाजिर

मुरादाबाद- रविवार की देर रात एसएसपी ने तीन इंस्पेक्टर और 41 उपनिरीक्षकों के कार्य में फेरबदल किया। जिसमें उन्होंने 19 पुलिस चौकियों के प्रभारी बदल दिए। जबकि तीन थानों को नए अपराध निरीक्षक मिले। जारी आदेश में चार को लाइन हाजिर भी किया गया है। एसएसपी कार्यालय से जारी लिस्ट के अनुसार कांठ के अपराध निरीक्षक जयदेव कुमार को वहां से हटाकर बिलारी थाने का अपराध निरीक्षक बनाया गया है। बिलारी के अपराध निरीक्षक रामनरेश यादव को वहां से हटाकर कांठ भेजा गया है। जबकि सोकनपुर जटपुरा चौकी का प्रभार संभल रहे विजय सिंह को भगतपुर थाने का अपराध निरीक्षक बनाया गया है। इसके अलावा कोतवाली के नईबस्ती चौकी प्रभारी पवन कुमार पाठक को वहां से थाना पाकबड़ा भेजा गया। उनके स्थान पर बरवालान चौकी प्रभारी मुकेश कुमार को नईबस्ती चौकी का प्रभारी बनाया गया है। इसी तरह एसआई दीपक को मंडी चौक से पंडित नगला, अंकुर मलिक को बंगला गांव से मंडी चौक, विष्णु कुमार को थाना नागफनी से बंगला गांव चौकी, मनोज कुमार को पीतलबस्ती से हकीमपुर, कृष्ण कुमार मंगेला को असालतपुरा से पीतलबस्ती, रुणित तोमर को एसएसआई भगतपुर से असालतपुरा चौकी प्रभारी और दीपक को पंडित नगला चौकी से मूंढापांडे की करनपुर चौकी का प्रभारी बनाया है। मझोला थाना के नया मुरादाबाद चौकी प्रभारी अर्जुन सिंह को वहां से हटाकर मझोला थाना, राहुल राघव को दलतपुर चौकी से पुलिस लाइन, दीपक राणा को जीरो पॉइंट चौकी से दलतपुर, कपिल कुमार को रौंडाझौंडा से इस्लामनगर, राकेश कुमार को इस्लामनगर से उमरी, रविंद्र कुमार को उमरी से रौंडाझौडा चौकी प्रभारी बनाया गया है। नरेंद्र कुमार को खुशहालपुर, रामरतन को नया मुरादाबाद, नरेंद्र पाल सिंह को जीरो पॉइंट, जुगेंद्र पाल सिंह को इंदिरा चौक, लोकेश कुमार को बरवालान और हरेंद्र सिंह को फैजगंज, और वीरेंद्र सिंह को जटपुरा चौकी का प्रभारी बनाया गया है। फैजगंज चौकी प्रभारी महिला एसआई कामिनी शर्मा, कुंदरकी थाने के एसआई दीपक कुमार और खुशहालपुर चौकी प्रभारी योगेश श्मा को लाइन हाजिर किया गया है। एसआई बबलू को न्यायालय सुरक्षा और विनोद कुमार को न्यायालय सुरक्षा से मानवाधिकार सेल भेजा गया है। इसके अलावा एसआई रामगोपाल को कोतवाली से भगतपुर, हरिशंकर यादव को भोजपुर से छजलैट, पुलिस लाइन से मुकेश कुमार को गलशहीद, प्रदीप कुमार को छजलैट, चंद्रशेखर यादव को कांठ, रामगोपाल आर्य को डिलारी, देवेंद्र सिंह को ठाकुरद्वारा, गंगासरन को कांठ, ईसार अहमद खां को कोतवाली, विजय यादव को कोतवाली थाने पर भेजा गया है।

महाशिवरात्रि के पर्व से पहले SSP ने किया रूट डायवर्ट, ऐसे होगा यातायात संचालित

19 फरवरी की रात से डायवर्जन प्लान होगा प्रभावी, निर्धारित रूट से होकर गुजरेंगे छोटे बड़े सभी वाहन

मुरादाबाद- महाशिवरात्रि पर्व के लिए यातायात को व्यवस्थित करने और सकुशल चलने के एसएसपी सतपाल अंतिल ने सोमवार को देर रात रूट डायवर्जन प्लान जारी किया। जनपद से होकर गुजरने वाले छोटे बड़े वाहनों को 19 फरवरी की सुबह से 26 फरवरी की देर रात तक निर्धारित रूट से डायवर्ट होकर गुजरना होगा। जिले में आने वाले बाहरी वाहनों के रूट डायवर्ट का प्लान 19 फरवरी से प्रभावी होगा। 26 फरवरी की रात तक जनपद में इसी प्लान से यातायात का संचालन किया जाएगा। 26 फरवरी को महाशिवरात्रि पर्व पर जनपद से होकर हरिद्वार, ऋषिकेश, गढ़मुक्तेश्वर इत्यादि विभिन्न स्थानों से पवित्र नदियों का जल लेने के लिए जाने वाले कांवड़ियों के विभिन्न मार्गों से पैदल, वाहनों द्वारा चलकर शिव मन्दिरों में लाकर जलाभिषेक किया जाता है। बढ़-चढ़ कर शिव मन्दिरों में जाकर जलाभिषेक व पूजा अर्चना करते है। कांवड़ियों के भारी संख्या में आवागमन होने से भारी वाहनों के लिए रूट डायवर्ट किया गया है। जैसे ट्रक, डीसीएम, केन्टर, मालवाहक वाहन, ट्रैक्टर, बसे रोडवेज बस भी शामिल होंगी। मध्यम छोटा वाहन को शिवरात्रि पर्व के अवसर पर 19 फरवरी की सुबह से 26 फरवरी की रात्रि तक के लिए डायवर्जन के अनुसार वाहन चलेंगे। ट्रैफिक डायवर्जन के अनुसार इस प्रकार होगा यातायात संचालित- बरेली,रामपुर से दिल्ली की ओर जाने वाला यातायातः बरेली, रामपुर से दिल्ली की ओर जाने वाले समस्त भारी वाहन (ट्रक, ट्रैक्टर, सभी प्राइवेट रोडवेज बस आदि मालवाहक भारी वाहन वाया मिलक शाहबाद, बिलारी, सिरसी, संभल, गवां, नरौरा डिबाई, शिकारपुर, बुलन्दशहर, हापुड़, गाजियाबाद होकर दिल्ली पहुंचेंगे। इसी मार्ग से वापसी में दिल्ली से बरेली पहुंचेंगे। रोडवेज बसें नया मुरादाबाद एमडीए ऑफिस के सामने बने अस्थाई बस स्टैण्ड पर रोकी जाएंगी। कांवड़ियों की संख्या का आकलन करते हुए यथा संभव एनएच-9 पर एक लेन में वाहन का संचालन किया जा सकता है। 24 फरवरी की रात 08.00 बजे से 26 फरवरी की शाम 05 बजे तक जीरो ट्रैफिक किया जायेगा। मुरादाबाद से दिल्ली एवं मेरठ की ओर जाने वाला यातायातः मुरादाबाद से दिल्ली एवं मेरठ की ओर जाने वाला समस्त भारी वाहन (यथा-ट्रक, ट्रैक्टर, आदि मालवाहक भारी वाहन) बिलारी, सिरसी, सम्भल, गवां, नरौरा, डिबाई, शिकारपुर, बुलन्दशहर, हापुड़, गाजियाबाद होकर दिल्ली पहुंचेंगे तथा इसी मार्ग से वापस आयेंगे तथा मेरठ जाने के लिए वाया हापुड़-मेरठ जायेंगे एवं इसी मार्ग से वापस आयेंगे कांवड़ियों की संख्या का अंकलन करते हुए यथा संभव एनएच-9 पर एक लेन में वाहन का चलाना किया जा सकता है। 24 फरवरी की रात 08 बजे से 26 फरवरी की शाम 05 बजे तक जीरो ट्रैफिक किया जायेगा। रामपुर से-मुरादाबाद की ओर आने वाला यातायातः रामपुर से-मुरादाबाद की ओर आने वाला समस्त भारी वाहन (यथा-ट्रक, ट्रैक्टर, सभी प्राइवेट रोडवेज बस आदि मालवाहक भारी वाहन) शाहाबाद, बिलारी, कुन्दरकी होते हुए जनपद मुरादाबाद आयेगा तथा इसी मार्ग से वापस जायेगा। रोडवेज बसे नया मुरादाबाद एमडीए ऑफिस के सामने बने अस्थाई बस स्टैण्ड का प्रयोग कर सकते है। अमरोहा से रामपुर, बरेली की ओर जाने वाला यातायातः अमरोहा से रामपुर , बरेली की ओर जाने वाले समस्त भारी वाहन -ट्रक, ट्रैक्टर आदि मालवाहक भारी वाहन कैलशा, बागडपुर, डूंगरपुर तिराहा पाकबड़ा से डींगरपुर, कुंदरकी, बिलारी, शाहाबाद होकर रामपुर पहुंचेगी तथा इसी मार्ग से वापस आएंगे मुरादाबाद से बिजनौर, हरिद्वार आने जाने वाला यातायातः मुरादाबाद से बिजनौर, हरिद्वार आने जाने वाले समस्त भारी वाहन (यथा-ट्रक, ट्रैक्टर आदि मालवाहक भारी वाहन) काशीपुर तिराहा वाया ठाकुरद्वारा भूतपुरी चौराहा (अफजलगढ़), शेरकोट, धामपुर, नहटौर होते हुए बिजनौर। हरिद्वार जायेंगे तथा इसी मार्ग से वापस आयेंगे। बिजनौर, धामपुर से मुरादाबाद, रामपुर, बरेली की ओर जाने वाला यातायातः बिजनौर,धामपुर से मुरादाबाद,रामपुर,बरेली की ओर जाने वाले हल्के वाहन स्योहारा, सूरजननगर, ठाकुरद्वारा, भोजपुर एवं काशीपुर तिराहा से दलपतपुर जीरो प्वाइंट होते हुए एनएच-09 से जाएंगे तथा इसी मार्ग से वापस आयेंगे। रामपुर की तरफ से मुरादाबाद आने वाली रोडवेज और निजी बसेंः रामपुर की तरफ से मुरादाबाद आने वाली रोडवेज, प्राइवेट बसें एनएच 9 से दलपतपुर जीरो प्वाइंट होते हुए अस्थायी बस स्टैण्ड काशीपुर तिराहा प्रेम वण्डरलैण्ड फ्लाईओवर के नीचे तक आएंगी। इसी मार्ग से वापस जाएंगी। कांवड़ यात्रा का अधिक दबाव बढ़ने पर रामपुर की तरफ से आने वाली रोडवेज बसें शाहबाद, बिलारी, कुन्दरकी होते हुए अस्थाई बस स्टैण्ड आजाद नगर मोड़ तक आएंगी, इसी मार्ग से वापस जाएंगी। बिजनौर से आने वाले प्राइवेट रोडवेज बसे धामपुर, ठाकुरद्वारा होते हुए प्रेम वण्डर लैंड अस्थाई बस स्टैण्ड का प्रयोग कर सकेगी। ठाकुरद्वारा जाने वाली रोडवेज बसों का बस स्टैंड भी प्रेम वण्डर लैंड होगा।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

आशाओं की कार्यप्रणाली पर ध्यान दे सभी एमओआईसी-जिलाधिकारी

मुरादाबाद -जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह की अध्यक्षता में चिकित्सा एवं परिवार कल्याण/स्वास्थ्य विभाग की डीएचएस/जिला स्वास्थ्य सोयायटी के शासी निकाय/जिला पंजीयन प्राधिकरण समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक में टीकाकरण कवरेज, एम0आर0सी0वी0 वैक्सीन, एम0आर0 कैचअप कैम्पेन के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई, जिस पर जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी एमओआईसी को टीकाकरण की प्रगति पर विशेष टीकाकरण पर विशेष ध्यान देकर कार्यवाही करने के निर्देश संबंध में ठीक ढंग से सर्वे करवाने, ड्यू लिस्ट बनवाने एवं स्थापित करवाकर टीकाकरण की स्थिति को सुधारने के खराब होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए स्थिति में सुधार टीकाकरण के संबंध में ए0एन0एम0 से नियमित रुप से के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने समस्त एमओआईसी को उनकी कार्यप्रणाली में सुधार लाये जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को इंटर कालिजों में कार्यवाही सुनिश्चित किए जाने हेतु निर्देशित किया। इसके बच्चों की आंखों की जांच करवाने संबंधी कार्यवाही को बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत बीएसए को स्कूलों में परीक्षण की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के दिए निर्देश।

ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने सीएमओ को अपर्याप्त दिए। उन्होंने सभी चिकित्साधिकारियों को टीकाकरण के आशाओं और एएनएम कार्यकत्रियों में आपसी समन्वय निर्देश दिए। टीकाकरण में कुन्दरकी और बिलारी की स्थिति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने समस्त एमओआईसी को ड्यू लिस्ट की मानीटरिंग कर शत प्रतिशत सुनिश्चित कराने आशा कार्यकत्रियों की कार्यप्रणाली पर विशेष ध्यान देकर राष्ट्रीय अंधता एवं दृष्टिक्षीणता कार्यक्रम के अन्तर्गत बच्चों की आंखो की जांच करवाकर चश्मा दिलवाने संबंधी साथ ही उन्होंने बेसिक शिक्षा अधिकारी को भी स्कूलों में अमल में लाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय आर0बी0एस0के0 टीम द्वारा बच्चों का स्वास्थ्य संबंधी उन्होंने समस्त एमओआईसी को खण्ड शिक्षा अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने हेतु निर्देशित किया । सभी चिकित्साधिकारियों को ग्राम प्रधानों के साथ समन्वय स्थापित करके भी कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला कुष्ठ अधिकारी द्वारा बताया गया कि जनपद में द्वितीय कुष्ठ रोग संबंधी जागरुकता अभियान 24 फरवरी से 10 मार्च 2025 तक चलाया जायेगा, जिसमें जिला स्तर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समन्वय समिति व ब्लाक स्तर पर उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता गठन किया जायेगा। इस अभियान के अन्तर्गत आशा तथा पुरुष क्षेत्रीय स्वयं सेवक अथवा फील्ड लेवल वर्कर की 14 दिवसीय अभियान जिसमें एक टीम द्वारा प्रतिदिन ग्रामीण क्षेत्र में 15 से 20 घर एवं लगभग 100 व्यक्तियों तथा नगरीय क्षेत्र में 20 से 25 घर एवं लगभग 125 व्यक्तियों के परीक्षण किए जाने हेतु दृष्टिगत सर्वे टीम का गठन किया जायेगा। प्रत्येक टीम को ग्रामीण क्षेत्र में 15 से 20 घर तथा नगरीय क्षेत्र में 20 से 25 घर प्रतिदिन की दर से क्षेत्र का आवंटन किया जाना है, जोकि क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति के अनुसार घट बढ़ सकते हैं। नगरीय क्षेत्र में मलिन बस्तियों, ईट भट्ठो में निवासित श्रमिकों, उप नगरीय क्षेत्र आदि की जनसंख्या को अभियान में आच्छादित किया जायेगा। जिलाधिकारी ने समस्त चिकित्साधिकारियों को निर्देशित किया कि बच्चों का टीकाकरण ससमय एवं गंभीरतपूर्वक सुनिश्चित करवाया जायें। जिले के समस्त सरकारी अस्पतालों में कम ओपीडी करने वाले डाक्टरों पर भी यथोचित प्रक्रियानुसार कार्यवाही करने के सीएमओ को निर्देश दिये गये। बैठक में जननी सुरक्षा योजना, आशा भुगतान, ई-कवच पोर्टल पर आभा आईडी की स्थिति की प्रगति के संबंध में, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम संबंधी, सहित अन्य विषयों पर विस्तार चर्चा की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी चिकित्साधिकारियों को जननी सुरक्षा योजना के अर्न्तगत प्राईवेट अस्पतालों में हो रहे प्रसवों की रिपोर्टिंग को अच्छे से मानीटर करके उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि आशाओं का भुगतान नियमित रुप से होता रहें, इसको सुनिश्चित कर लें। इसके साथ ही बैठक में ब्लाक कोल्डचेन प्वाइंट्स, वी0एच0एस0एन0डी0 सेशनों पर हो रही गतिविधियां संबंधी, राष्ट्रीय अंधता एवं दृष्टिक्षीणता नियंत्रण कार्यक्रम, राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम, राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम, निक्षय पोषण योजना, हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टरों पर समस्त चिकित्सीय व्यवस्थाओं संबंधी आदि विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गयी। जिलाधिकारी ने सभी एमओआईसी को सीएचसी सेन्टरों पर दवाईओं की उपलब्धता संबंधी व्यवस्थाओं को दुरस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी एमओआईसी अपने-अपने स्वास्थ्य केन्द्रों पर साफ-सफाई की व्यवस्था, ओपीडी के बाहर अच्छे से बैठने के व्यवस्था, बिजली व्यवस्था इत्यादि अन्य समुचित व्यवस्थाओं को दुरस्त रखें। जिलाधिकारी ने समस्त एमओआईसी को झोलाछाप डाक्टरों पर कठोर कार्यवाही को अमल में लाने के निर्देश दिए। जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत ब्लाक डिलारी व ठाकुरद्वारा की स्थिति खराब होने पर सुधारने के निर्देश दिए। पीएम सुरक्षित मातृत्व अभियान के अन्तर्गत जिलाधिकारी ने समस्त एमओआईसी को अल्ट्रासाउंड फैसिलिटी में वाउचर रीडिम की स्थिति खराब होने पर सुधारने के निर्देश दिए तथा समस्त एमओआईसी को जनपद में 16 फ्री अल्ट्रासांउड सेन्टरों का ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए। उन्होंने समस्त एमओआईसी को खराब कार्य करने वाली आशाओं पर कठोरतम कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया तथा आशाओं का सर्टिफिकेशन करने वाली संस्था को भी पत्राचार करने का निर्देश दिया। राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत जिलाधिकारी ने नोडल अधिकारी को ज्यादा से ज्यादा स्क्रीनिंग बढ़ाने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 कुलदीप सिंह, सी0एम0एस0 जिला महिला अस्पताल डा0 निर्मला पाण्डेय, ए0सी0एम0ओ0 डा0 भारत भूषण, उपमुख्य चिकित्साधिकारी/नोडल अधिकारी डा0 संजीव बेलवाल, बीएसए श्री विमलेश कुमार, उप मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 प्रवीन श्रीवास्तव, समस्त एमओआईसी सहित डब्ल्यूएचओ एवं यूनिसेफ के प्रतिनिधि रोहित सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में रामपुर विकास प्राधिकरण की 40वीं बोर्ड बैठक सम्पन्न

रामपुर विकास प्राधिकरण की 40वीं बोर्ड बैठक मण्डलायुक्त श्री आन्जनेय कुमार सिंह की अध्यक्षता में कमिश्नरी सभागार में आयोजित हुई। बैठक में प्राधिकरण बोर्ड द्वारा रामपुर महायोजना-2031 को अन्तिम रुप दिए जाने के संबंध में प्रस्ताव रखा गया, जिस पर बोर्ड द्वारा रामपुर महायोजना-2031 की स्वीकृति प्रदान करते हुए शासन को प्रेषित किए जाने का निर्णय लिया गया। इसके अतिरिक्त शासन द्वारा निर्गत विकास अनुज्ञा शुल्क, निरीक्षण शुल्क एवं समाघात शुल्क की अधिसूचना का अनुमोदन प्रदान किया गया एवं महायोजना 2021 से 2031 में किए गये ग्रीन क्षेत्र के परिवर्तन हेतु ई0आई0ए0 एवं ई0पी0एम0 के कंसलटेन्ट द्वारा प्रस्तुत पीपीआर का अनुमोदान प्रदान किया गया। बैठक में जिलाधिकारी/उपाध्यक्ष रामपुर श्री जोगिन्द्र सिंह, नगर मजिस्टेउट/सचिव रामपुर विकास प्रीधिकरण श्री संदीप कुमार वर्मा, अपर निदेशक कोषागार एवं पेंशन मुरादाबाद श्री बी0एन0 झा, सहयुक्त नियोजक संभागीय नियोजन खण्ड मुरादाबाद श्री विवेक भास्कर एवं बोर्ड के अन्य सदस्यगण उपस्थित रहें। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि समाज कल्याण द्वारा संचालित अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति एवं सामान्य वर्ग के गरीब व्यक्तियों के पुत्रियों की शादी हेतु ऑनलाइन शादी अनुदान योजना में पंजीकरण की प्रकिया प्रारम्भ की गई है, जिसके लिए आवेदक जन-सुविधा केन्द्रों (कॉमन सर्विस सेन्टर), साइबर कैफे, निजी इंटरनेट केन्द्र के माध्यम से विभागीय वेबसाइट **http://shadianudan.upsdc.gov.in** पर जाकर स्वयं भर सकते हैं तथा शादी अनुदान योजना के अन्तर्गत आवेदक द्वारा ऑनलाइन शादी की तिथि के 90 दिन पूर्व या 90 दिन पश्चात् तक किया जा सकता है। इस योजनान्तर्गत आवेदन पत्र भरने हेतु आवेदक की आय गरीबी की सीमा के अन्तर्गत होनी चाहिए अर्थात् शहरी क्षेत्र में रु0 56460/- प्रतिवर्ष तथा ग्रामीण क्षेत्र में 46080/-प्रतिवर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग के आवेदकों को तहसील द्वारा आनलाइन निर्गत जाति प्रमाण-पत्र सलंग्न करना अनिवार्य होगा। विवाह हेतु किए गये आवेदन में पुत्री की आयु शादी की तिथि को 18 वर्ष तथा वर की आयु 21 वर्ष या उससे अधक होना अनिवार्य है। आयु की पुष्टि के लिए स्कूल शैक्षिक रिकार्ड, आधार कार्ड, पैन कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र मान्य होंगे। पति की मृत्यु उपरान्त निराश्रित (विधवा) महिला अथवा विकलांग आवेदक को वरीयता प्रदान की जाएगी तथा साक्ष्य के रुप में विधवा महिला को पति का मृत्यु प्रमाण-पत्र तथा विकलांग होने पर सक्षम स्तर से निर्गत विकलांगता प्रमाण-पत्र अपलोड करना अनिवार्य होगा। शादी की तिथि निर्धारित होने का प्रमाण पत्र अर्थात् शादी कार्ड तथा एक परिवार में अधिकतम 02 पुत्रियों की शादी हेतु अनुदान अनुमन्य होगा दस्तावेज सलंग्न करने अनिवार्य होंगे।

कृषकगण लाईसेंस प्राप्त शीतगृहों में ही अपने आलू का करें भण्डारण-उप निदेशक उद्यान

मुरादाबाद मण्डल में आलू उत्पादक किसानों द्वारा निजी शीतगृहों में आलू भण्डारण करते समय सावधनी रखने के संबंध में बताया कि इस वर्ष मौसम के अनुकूल रहने से मण्डल में आलू की अधिक पैदावार होने की संभावना को दृष्टिगत रखते हुए कृषकों को निजी शीतगृहों में आलू भण्डारण में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो इसके लिए कृषकों को निम्न सुझाव है। उप निदेशक उद्यान पूजा ने बताया की प्रायः देखा गया है कि बिना लाईसेन्स नवीनीकरण के शीतगृहों द्वारा कृषकों का आलू भण्डारित कर लिया जाता है और भण्डारणकर्ताओं के आलू में क्षति होने पर वाद/विवाद की स्थिति उत्पन्न होती है। कृषकगण लाईसेंस प्राप्त शीतगृहों में ही अपने आलू का भण्डारण कराए। कृषकगण अपने आलू को सही प्रकार से छटवाकर, सुखाकर एवं अपने चिन्हाकंन सहित पैकिंग कराकर शीतगृह में भण्डारण कराए, ताकि आलू में किसी प्रकार की क्षति न हो। शीतगृह में आलू भण्डारण के समय लगने वाली लम्बी कतार एवं सड़क जाम की समस्या से बचने के लिए शीतगृहों से संपर्क कर पूर्व बुकिंग करा ली जाये। आलू उत्पादक किसानों की समस्याआं के निराकरण के संबंध में शीतगृहों पर आलू किसान अधिकार पत्र लागू हुए हैं, उसको पढ़कर अपने अधिकारों की जानकारी कर ली जाये। भण्डारणकर्ताओं को शीतगृह पर आलू पहुंचाने के समय तकपट्टी पर तौल एवं भण्डारण प्रभार दर लिखित में शीतगृह से पाप्त कर ली जाये। शीतगृह द्वारा सक्षम स्तर से लाईसेंस प्राप्त किए बिना भण्डारण किए जाने की स्थिति प्रकाश में आने पर शीतगृह विनियमन अधिनियम-1976 की सुसंगत धाराओं में तत्काल नियमानुसार आवश्यक कायवाही करायी जाएगी। आलू भण्डारण में अन्य किसी प्रकार की समस्या होने पर जिला उद्यान अधिकारी मुरादाबाद श्री बैजनाथ सिंह-9454612709, जिला उद्यान अधिकारी सम्भल श्री सुघर सिंह-8707489168, जिला उद्यान अधिकारी अमरोहा/बिजनौर श्री आर0एन0 वर्मा-8077622392, जिला उद्यान अधिकारी रामपुर श्री रमेश चन्द्र रणा 9870775911 से संपर्क किया जा सकता है।

मत्स्य किसान क्रेडिट कार्ड आदि में पंजीकरण हेतु एक वृहद कैम्प विकास खण्ड सभागार में होगा आयोजित

मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य मुरादाबाद ने सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना (पी0एम0एम0के0एस0एस0वाई0) वर्ष-2024-25 के लिये विभिन्न मात्स्यिकी परियोजनाओं एन.एफ.डी.बी. पोर्टल, मछुआ दुर्घटना बीमा योजना, मत्स्य किसान क्रेडिट कार्ड आदि में पंजीकरण हेतु एक वृहद कैम्प समय प्रातः 10.00 बजे से सांय 4 बजे तक दिनाँक 21.02.2025 को खण्ड विकास अधिकारी, मुरादाबाद सभाकक्ष में आयोजित किया जा रहा है। अतः जनपद के सभी किसान जो मत्स्य गतिविधियों में कार्य कर रहे हैं तथा मत्स्य संबंधी कार्य करना चाहते हैं, कैम्प में प्रतिभाग कर योजना का अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करें। उप निदेशक उद्यान पूजा ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि उद्यान विभाग के अन्तर्गत जनपद मुरादाबाद में विभिन्न प्रजातियों के 1348 वृक्षों एवं 215 की दिनांक 19 फरवरी 2025 को राजकीय प्रक्षेत्र रौण्डा, विकास खण्ड मूढापाण्डे, मुरादाबाद पर होने वाली सार्वजनिक नीलामी को अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दिया गया है

आचार्य विमल कृष्ण शास्त्री महाराज होंगे कथा व्यास, कलश यात्रा भी निकलेगी- डा. ऋचा दीक्षित

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली- सुदृढ़ शक्ति फाउंडेशन की ओर से 20 फरवरी से त्रिबटी नाथ मंदिर प्रागंण के सत्संग भवन में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा 26 फरवरी तक चलेगी। कथा व्यास श्री वृंदावन धाम से आ रहे आचार्य श्री विमल कृष्ण शास्त्री जी महाराज तीन बजे से कथा का आरंभ होगा। फाउंडेशन की अध्यक्ष डा.ऋचा विस्तार से जानकारी दी तथा कथा के उद्देशयों के बारे में बताया। मुद्दे को ध्यान में रखते हुए, समाज में धर्म के नाम पर व्याप्त भ्रांतियां, है कि श्रीमद् भागवत कथा के माध्यम से धार्मिक एवं नैतिक सबल एवं निर्भीक बन सकें । सांस्कृतिक ज्ञान के माध्यम से की ओर अग्रसर हो सके एवं विवेकवान बन सकें और अपनी भविष्य का निर्माण करने में सक्षम बन सकें। डा. ऋचा ने बताया वेला सात दिन तक तीन बजे से हरि इच्छा तक चलेगी। 20 फरवरी टीबरी नाथ मंदिर परिसर से आरंभ होकर एमबी इंटर कॉलेज, नाथ मंदिर परिसर में पहुंचेगी। कलश यात्रा का संचालन व संयोजन शक्ति फाउंडेशन के बारे में डा. ऋचा दीक्षित ने बताया कि इस कहा कि उनके माता पिता की प्रेरणा और संस्कारों से उन्होंने इस

हैं। बीस फरवरी को ही कलश यात्रा भी निकाली जायेगी। दोपहर दीक्षित ने उपजा प्रेस क्लब में एक प्रेस वार्ता में कार्यक्रम की उन्होंने बताया कि कथा का मुख्य उद्देश्य महिला सशक्तिकरण के अज्ञानताओं, से बच्चियों ,महिलाओं को बचना है। संस्था चाहती संस्कारों का उन्नयन हो सके । वह जीवन के प्रत्येक मार्ग पर सशक्त, महिलाएं , बच्चियां जीवन में आध्यात्मिक शांति,मानसिक शांति दैविय शक्तियों को पहचान सके। अपने जीवन में एवं उज्जवल कि इन्हीं सब विषयों को लेकर श्रीमद् भागवत कथा की अमृतमयी को कलश यात्रा निकाली जाएगी। कलश यात्रा सुबह नौ बजे से गांधीनगर चौराहा से होकर धर्म कांटा से होते हुए वापस टीबरी अखिल विश्व गायत्री परिवार की ओर से किया जायेगा। सुदृढ़ संस्था की स्थापना 2021 में पुणे महाराष्ट्र में की गई थी। उन्होंने संस्था की स्थापना की। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि हर महिला एक देवी स्वरूप होती है। हम सभी उस परम पिता परमेश्वर के अंश हैं, इसलिए इस संस्था का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण व बच्चों के कल्याण के लिए रखा गया है। क्योंकि अगर मातृश्कित का सशक्तिकरण होगा तब देश भी मजबूत होगा। महिलाओं की सुरक्षा के लिए बाहरी व आंतरिक शक्तियां जिम्मेदार हैं। उस ईश्वरीय शक्ति से जुड़ना जो इस पूरे जगत का पालनहार है, सभी के लिए आवश्यक है। यह बात उनको उस वक्त समझ में आई जब श्री जी , महादेव और हनुमान भाई ने कृपा की ओर मुझे एक उद्देश्य मिला कि धर्म के द्वारा ज्ञान एक ऐसी नींव है जो बचपन से अगर हर एक बच्चे के मन में डाली जाए तो पापों का जन्म भी कम होगा और हम सब जिसकी तलाश में है शांति और आनंद उसकी भी अनुभूति कर पाएंगे..इस श्री मद भागवत के भागवत कथा के बाद कई लोगों में आस्था और अपने धर्म और नीतियों के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। प्रेस वार्ता में उपजा प्रेस क्लब के अध्यक्ष डा. पवन सक्सेना ने इस आयोजन को बरेली का एक सार्थक आयोजन बताया तथा सभी से इसमें पहुंचने व कथा श्रवण की अपील की व आमंत्रण दिया। इस अवसर पर विवेक मिश्रा, डा. दीपमाला शर्मा, डा. शालिनी भी उपस्थित रहीं।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

स्वंय सेवकों ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की रैली निकालकर जागरूक किया

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।श्री पीसी आजाद इण्टर कॉलेज के स्वयं सेवियों द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर गांव धौरेरामाफी के प्राथमिक विद्यालय में कार्यक्रम अधिकारी जलज सक्सेना

के नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा है। शिविर के चौथे दिन मंगलवार को कालेज के प्रधानाचार्य ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। स्वयंसेवियों ने लक्ष्यगीत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम अधिकारी ने कार्ययोजना के अंतर्गत बालिका भ्रुणहत्या एवं बालिका शिक्षा के सन्दर्भ में विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया भारत सरकार बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान को लेकर बहुत गंभीर है।हम सबको जागरूक बनकर आम जनमानस को जागरूक करना है। स्वयंसेवियों ने गांव में जन-जागरूकता रैली निकालकर जागरूक किया।इस दौरान आरती पाण्डेय, शालिनी सक्सेना,भारती माला,आदि स्टाफ मौजूद रहा।

प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत दलालों ब बिचौलियों से रहें सावधान

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली- उप जिलाधिकारी/परियोजना अधिकारी डूडा ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) पूर्णतया निशुल्क है। किसी व्यक्ति को योजना का लाभ प्राप्त करने के लिये किसी प्रकार की धनराशि किसी को नहीं दिया जाना है। उक्त योजना के लाभार्थी को मिलने वाली अनुदान धनराशि सीधे उसके खाते में जाती है यदि कोई व्यक्ति आवास का लाभ दिलाये जाने हेतु धनराशि की मांग करता है अथवा मोबाइल व अन्य स्त्रोत से अवैध धनराशि की मांग की जाती है तो डूडा कार्यालय, सम्बन्धित नगर पालिका परिषद, नगर पंचायत कार्यालय में सूचित करें। किसी भी जानकारी के लिये स्वयं कार्यालय में उपस्थित होकर सम्पर्क करें। दलालों/बिचौलियों से सावधान रहें।

जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा माध्यमिक शिक्षा परिषद, उ0प्र0 द्वारा आयोजित बोर्ड परीक्षा 2025 के दृष्टिगत बैठक हुई आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली- जिलाधिकारी एंव वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, बरेली द्वारा संजय कम्युनिटी हाल जनपद बरेली में माध्यमिक शिक्षा परिषद, उ0प्र0 द्वारा आयोजित बोर्ड परीक्षा 2025 (हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट परीक्षा) की तैयारी के सम्बन्ध में जोनल मजिस्ट्रेट, जोनल पुलिस अधिकारी, सेक्ट्रर मजिस्ट्रेट, सेक्टर पुलिस अधिकारी, केन्द्र व्यवस्थापकों एंव अतिरिक्त केन्द्र व्यवस्थापकों के साथ बैठक आयोजित की गयी तथा सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये ।

जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा माध्यमिक शिक्षा परिषद, उ0प्र0 द्वारा आयोजित बोर्ड परीक्षा 2025 के दृष्टिगत बैठक हुई आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली- जिलाधिकारी एंव वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, बरेली

द्वारा संजय कम्युनिटी हाल जनपद बरेली में माध्यमिक शिक्षा परिषद, उ0प्र0 द्वारा आयोजित बोर्ड परीक्षा 2025 (हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट परीक्षा) की तैयारी के सम्बन्ध में जोनल मजिस्ट्रेट, जोनल पुलिस अधिकारी, सेक्ट्रर मजिस्ट्रेट, सेक्टर पुलिस अधिकारी, केन्द्र व्यवस्थापकों एंव अतिरिक्त केन्द्र व्यवस्थापकों के साथ बैठक आयोजित की गयी तथा सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये ।

एमजेपीआरयू में अखिल भारतीय ग्रेपलिंग महिला /पुरुष प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली- महात्मा ज्योतिबा फुले रोहिलखंड विश्वविद्यालय अखिल भारतीय ग्रेपलिंग महिला /पुरुष प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ । जिसमें मुख्य अतिथि मेजर जनरल श्री दीप अहलावत जी (अर्जुन अवॉर्डी व कुलपति खेल विश्वविद्यालय मेरठ) के रूप में उपस्थित रहे । विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री यशपाल सिंह राणा अंतर्राष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाड़ी उपस्थित रहे। मंच का संचालन डॉ इरम नईम ने किया। शुभारंभ की शुरुआत सभी अलग अलग 15 राज्यों से आई टीम के लगभग 349 खिलाड़ी व 48 टीम मैनेजर और कोच ने फ्लैग होस्टिंग, मार्च पास, एवं एवं शपथ दिलाई गई। माननीय कुलपति के.पी. सिंह जी और मेजर जनरल श्री दीप अहलावत जी ने गुब्बारे व कबूतर उड़ाकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। क्रीड़ा सचिव प्रो एस.एस. बेदी जी ने मुख्य अतिथि मेजर जनरल श्री दीप अहलावत जी, माननीय कुलपति प्रो. के.पी. सिंह, श्री यशपाल सिंह राणा अंतराष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाड़ी, को बुके देकर स्वागत किया एवं विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के बारे बताया कि विश्वविद्यालय न केवल यूजीसी मै ++ रैंक बनाई है बल्कि ऐन.आई.आर.एफ. मै भी अच्छी रैंक हासिल की है। मेजर जनरल श्री दीप अहलावत जी ने बताया कि भारत में खेलो के क्षेत्र मैं भारत का प्रतिशत केवल 07 प्रतिशत है जबकि जापान जैसे देशों में 50 प्रतिशत से भी ऊपर है। उन्होंने बताया कि खेल इंडस्ट्री के क्षेत्र में भी भारत में लगभग 14 प्रतिशत वृद्धि हुई है। माननीय कुलपति जी प्रो के.पी. सिंह जी ने बताया कि अखिल भारतीय ग्रेपलिंग जैसा गेम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजन कराना विश्वविद्यालय के लिए गर्व की बात है । उन्होंने बाहर से आई सभी टीम के खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया एवं सभी को अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी। अंत में कुलसचिव जी ने मुख्य अतिथियों टीम मैनेजरों, कोच, खिलाड़ियों, एवं समस्त स्पोर्ट्स स्टाफ का सादर धन्यवाद किया। इसके बाद राष्ट्र गान गाकर समारोह का समापन हुआ। इस अवसर पर उपकुलसचिव, वित्त अधिकारी, प्रो आलोक श्रीवास्तव, प्रो विजय बहादुर,प्रो ए.के. सिंह, प्रो जे.ऐन. मौर्य, प्रो पी.बी. सिंह, प्रो एस. डी. सिंह, डॉ नीरज कुमार सेक्रेटरी विश्वविद्यालय परिसर, डॉ अजीत सिंह, डॉ विजय सिन्हाल, डॉ इरम नईम , डॉ इंदरप्रीत कौर, डॉ पवन कुमार, श्री रामप्रीत, मीडिया के पदाधिकारी एवं अन्य शिक्षक, कर्मचारी उपस्थित रहे ।

क्षेत्र पंचायत की बैठक में तीन करोड़ के प्रस्ताव पारित

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ अकराबाद - मंगलवार को विकासखंड के सभागार में क्षेत्र पंचायत की बैठक ब्लाक प्रमुख ठा.राहुल सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में सांसद अलीगढ़ सतीश गौतम, सासंद हाथरस अनूप प्रधान वाल्मीकि, व जिला पंचायत अध्यक्ष विजयसिंह ने भाग लिया। सतीश गौतम ने ब्लाक प्रमुख से परिसर में आगामी बैठक से पहले नया मीटिंग हाल बनवाने के लिए कहा अगर कार्य में उनके सहयोग की आबश्यकता हो तो वह पूरा सहयोग करेगें। उन्होंने बैठक के दौरान तीखे व्यंग बांण चलाते हुए विकास कार्यों पर जोर दिया। हाथरस सांसद अनूप प्रधान वाल्मीकि ने कहा क्षेत्र की जनता के लिए उनके दरवाजे 24 घंटे खुले है वह कभी भी अलीगढ़ आकर अपनी समस्या बता सकते है उनकी पूरी मदद की जायेगी। सांसद ने गोपी भिलावली मार्ग के बारे में भी कहा प्रक्रिया तेजी से चल रही है जल्दी ही पैसा स्वीकृत कराकर सड़क बनवाने की बात कही। उन्होंने कहा कि वह अब एक दिन अकराबाद में बैठने के लिए नियत करेंगे जिससे क्षेत्र की जनता की समस्याओं को सुन उनका निस्तारण कराया सके। जिला पंचायत अध्यक्ष विजय सिंह ने बताया कि सरकार के पास विकास कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं है। भाजपा जिला अध्यक्ष कृष्ण पाल सिंह लाल प्रधान ने भी अपने विचार रखें ब्लाक प्रमुख ठा. राहुल सिंह ने क्षेत्र में कराए गए विकास कार्यों की विस्तार से जानकारी देते हुए नई कार्य योजनाओं के लिए करीब तीन करोड़ रुपयों के प्रस्ताव पर मोहर लगाई। ब्लाक प्रमुख ने विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया क्षेत्र में उनके द्वारा तेजी से विकास कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से कहा सरकारी योजनाओं की जानकारी गांव गांव जाकर लोगों को बताएं। राजवीर सिंह राठौर ने मनरेगा के बारे में विस्तार से जानकारी दी बैठक का सफल संचालन नगला रंजीता प्रधान ठाकुर तनुज सिंह ने किया। बैठक में बीडीओ नीरज शर्मा, एडीओआईएसबी टीपीसिंह पशुचिकित्साधिकारी डा.प्रतिभा यादव डॉ विकास रघुवंशी डॉक्टर विवेक उपाध्याय अवधेश शर्मा प्रधान योगेंद्र सिंह उर्फ बाबूजी अजय सिंह मानवेंद्र सिंह राजू सिंह ठा. मनोज सिंह चिंटू सिंह मोनू सिंह बृज बिहारी उपाध्याय रमन उपाध्याय आदि लोग मौजूद रहे

अभिभाषण में बोलीं राज्यपाल: एमएसएमई से 1.65 करोड़ लोगों को मिला रोजगार, शहर स्मार्ट और सेफ बने

राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने बजट सत्र के पहले दिन विधानमंडल के दोनों सदनों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने सरकार के विकास कार्यों का वर्णन किया।राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने मंगलवार को बजट सत्र के शुभारंभ के अवसर पर किया। उन्होंने बताया कि लगभग 96 लाख कराते हुए प्रदेश, देश में अग्रणी है। साथ ही जिसमें सूक्ष्म उद्यम स्थापित करने के लिए योजना के तहत प्रतिवर्ष 01 लाख नये सूक्ष्म के मिले ऑर्डर -राज्यपाल ने बताया कि प्रदेश प्रदेश इण्टरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन किया द्वारा प्रतिभाग किया गया, जिसमें रू 2 हजार पेयजल कनेक्शन दिये गये राज्यपाल ने बताया कराने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की पेयजल कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। इसके तथा 69 हजार से अधिक सामुदायिक एवं में शौच से मुक्त (ओडीएफ) घोषित कराने में ब्लॉक में सामुदायिक/सार्वजनिक/पिंक अधिक की 757 परियोजनाओं पर हो रहा लगभग 17 लाख आवास पूर्ण कर आवंटित हजार 300 करोड़ से अधिक की 757 कैटेगरी के अन्तर्गत नगर निगम, वाराणसी स्टेट क्लीन सिटी का अवॉर्ड प्राप्त हुआ है। बढ़ाने हेतु 'उपवन योजना' लागू की गयी है। राज्य राजधानी क्षेत्र का गठन करते हुए रीजन एवं अन्य रीजन विकास प्राधिकरण

विधानभवन में दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन में अपना अभिभाषण प्रस्तुत एमएसएमई इकाईयों द्वारा 1 करोड़ 65 लाख लोगों को रोजगार उपलब्ध मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान अपनी तरह का पहला कार्यक्रम है, युवाओं को गारण्टीयुक्त एवं ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। उद्यमों की स्थापना का लक्ष्य है।इंटरनेशनल ट्रेड शो से 2 हजार करोड़ से अधिक की एमएसएमई इकाइयों की बाजार तक सुलभ पहुंच के लिए प्रतिवर्ष उत्तर जा रहा है। वर्ष 2024 में इस ट्रेड शो में देश-विदेश के 500 से अधिक ट्रेडर्स 200 करोड़ के आर्डर भी प्राप्त हुए।अमृत योजना 2.0 में अब तक 39 लाख कि प्रदेश में शहरी आबादी को गुणवत्तापरक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध जा रही हैं। इसके अन्तर्गत अमृत योजना 2.0 में अब तक लगभग 39 लाख अलावा स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) के अन्तर्गत लगभग 9 लाख व्यक्तिगत सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण कराते हुए सभी नगरीय निकायों को खुले सफलता प्राप्त की गयी है। विशेषकर महिलाओं की सुरक्षा की दृष्टि से 1100 शौचालयों का निर्माण कराया गया है। 17 नगर निगमों में 10,300 करोड़ से कार्य-राज्यपाल ने बताया कि प्रधानमंत्री आवासीय योजना (शहरी) के अन्तर्गत किये जा चुके हैं। स्मार्ट सिटी योजना के अन्तर्गत सभी 17 नगर निगमों में 10 परियोजनाओं का कार्य प्रगति पर है। स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 के गंगा टाउन को प्रथम स्थान तथा प्रयागराज को द्वितीय स्थान के साथ-साथ नोएडा को उन्होंने बताया कि नगरीय क्षेत्रों में पार्क एवं ओपेन स्पेस के माध्यम से हरित क्षेत्र उत्तर प्रदेश, देश में सर्वाधिक मेट्रो सेवा वाला राज्य-उन्होंने बताया कि उप्र राजधानी लखनऊ के आसपास के क्षेत्रों को सम्मिलित कर उप्र स्टेट कैपिटल अधिनियम-2024 प्रख्यापित कर दिया गया है। आगामी 5 वर्षों में 100 नई टाउनशिप विकसित किये जाने का लक्ष्य है। 6 शहरों में मेट्रो सेवा उपलब्ध कराने के साथ उत्तर प्रदेश, देश में सर्वाधिक मेट्रो सेवा वाला राज्य है। कानपुर तथा आगरा में मेट्रो सेवा रिकॉर्ड समय में प्रारम्भ कर दी गयी है। देश की पहली आरआरटीएस 'नमो भारत' का संचालन भी उत्तर प्रदेश में प्रारम्भ हो गया है।

वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार महिला की मृत्यु

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अकराबाद - नेशनल हाईवे पर पनेठी के निकट सोमवार की रात एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार एक महिला की मृत्यु हो गई। अकराबाद के गांव निवासी नैपालसिंह कुआगांव मीरादेवी पत्नी सोमवार की देरशाम बाइक द्वारा अपने जेठ के बेटे सुभाष के साथ अलीगढ़ की ओर जा रही थी ।उसकी बाइक जैसे ही पनेठी ओवर ब्रिज के नीचे पहुंची तभी वह किसी तरह बाइक से नीचे गिर गई। उसी समय पीछे से आए किसी वाहन ने उसे अपनी चपेट में लेलिया। हादसे में 40 वर्षीय मीरा देवी की मौके पर ही मृत्यु हो गई। वह गांव के ही परिषदीय विद्यालय में रसौया थी। हादसे की जानकारी पर पनेठी चौकी इंचार्ज सचिन कुमार फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए और उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए अलीगढ़ भेजा है। सचिन कुमार ने बताया है अभी घटना की तहरीर नहीं मिली है। तहरीर आने पर मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जाएगी।

हर आंख नम..दिल भी रोया: सड़क पर दो मासूमों के शव देख राहगीर रह गए सन्न, गमगीन माहौल में सुपुर्द-ए-खाक

तेज रफ्तार कार ने मुरादाबाद-बाजपुर मार्ग पर बाइक को टक्कर मार दी थी। इसमें दो मासूमों की मौत और बाइक सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। सड़क पर दो बच्चों के शव देख राहगीरों की आंखें नम हो गई। पुलिस आरोपी चालक की तलाश कर रही है।सड़क हादसे में मारे गए नौनिहालों माहिर और जुनेरा के शवों को देखकर लोगों की आंखें भर आईं। बच्चों के शवों के पास लोगों की भारी भीड़ लगी रही। हादसे की सूचना पहुंचते ही गांव में कोहराम मच गया। मुरादाबाद के सिरसवां दोराहे के सड़क हादसे में मारे गए दोनों बच्चे टांडा तहसील के ग्राम लांबाखेड़ा के प्रधान दानिश के भतीजी और भांजे थे।दुर्घटना स्थल पर पड़े दोनों नौनिहालों के शवों को देखने के लिए लोगों की भीड़ लगी रही। परिजनों की हालत देख लोगों की आंखों से भी आंसू निकल रहे थे। बाइक चला रहे मोनिश भाइयों में सबसे छोटा है। वहीं घायल महिलाओं में एक प्रधान दानिश के छोटे भाई मानिक की पत्नी व दूसरी उसकी बहन है।घायल मोनिश अविवाहित है। मोनिश खेती में परिजनों का सहयोग करता है। मोनिश उसकी भाभी, बहन तथा दोनों बच्चे एक ही बाइक पर सवार थे। यह लोग रामपुर दोराहे पर स्थित फोटोन हॉस्पिटल में भर्ती अपने एक रिश्तेदार को देख कर घर लौट रहे थे। घर का इकलौता चिराग बुझा-एक वर्षीय माहिर शाइन का इकलौता बेटा था। हादसे में माहिर की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। शाइन की भाभी मोमिना की बेटी जुनेरा के अलावा दो बेटे हैं। घटना स्थल का मंजर देखकर राहगीरों के दिल दहल गए। कार ने बाइक में मारी टक्कर, गोद से उछलकर गिरे दो मासूमों की मौत-मुरादाबाद-बाजपुर मार्ग पर गांव सिरसवां गौड़ के सामने सोमवार दोपहर करीब दो बजे तेज रफ्तार कार ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दो महिलाओं की गोद से उछलकर सड़क पर गिरे दो मासूमों तीन वर्षीय जुनेरा और एक वर्षीय माहिर की मौत हो गई। वहीं बाइक चालक मोनिस व उसकी बहन और भाभी घायल हो गईं। टक्कर मारने के बाद तेज रफ्तार कार सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई और चालक भाग निकला। रामपुर जिले के टांडा थाना क्षेत्र के लांबाखेड़ा निवासी मो. मोनिस अपनी भाभी मोमिना व भगतपुर थाना क्षेत्र के ग्राम दौलपुरी बमनिया निवासी बहन शाइन को बाइक से लेकर मुरादाबाद में एक निजी अस्पताल में भर्ती अपने रिश्तेदार को देखने जा रहा था। शाइन की गोद में उसका बेटा माहिर और मोमिना की गोद में उसकी बेटी जुनेरा थी। ग्राम सिरसवां गौड़ के सामने पहुंचने पर तेज रफ्तार कार ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही महिलाओं की गोद से उछलकर मासूम सड़क पर गिर पड़े। जुनेरा की मौके पर ही मौत हो गई। बाइक सवार मोनिस, शाइन, मोमिना और माहिर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को भोजपुर सीएचसी में भर्ती कराया।

संक्षिप्त समाचार

शांतिभंग की आशंका में सात लोग गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती। एसपी घनश्याम चौरसिया की ओर से जिले में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे प्रभावी नियंत्रण व कार्रवाई के संबंध में दिए गए आदेश व निर्देश के क्रम में एएसपी प्रवीण कुमार यादव व सीओ भिनगा संतोष कुमार के कुशल निर्देशन व थानाध्यक्ष हरदत्तनगर गिरन्ट जयहरी मिश्रा के निर्देशन में स्थानीय पुलिस टीम द्वारा शांतिभंग के दृष्टिगत सात नफर अभियुक्त राम कुमार पुत्र बद्री प्रसाद, राज कुमारी पत्नी राम कुमार, रेखा पुत्री राम कुमार निवासीगण ग्राम राढ़नपुरवा व लल्लू पुत्र बाउर, पांचू पुत्र बाउर, वन देवी पत्नी कंधई, शांती देवी उर्फ छब्बा पत्नी लल्लू को धारा 170/126/135 बीएनएसएस गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही हेतु एसडीएम तहसील जमुनहा के समक्ष पेश करने हेतु रवाना किया।

गेंहू खरीद के लिए 13 अतिरिक्त क्रय केन्द्र चयनित - डीएम

क्यूँ न लिखूँ सच -रेंद्र कुमार वर्मा

श्रावस्ती- डीएम अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार रबी विपणन वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत गेहूँ क्रय केन्द्रों का प्रस्ताव प्रेषित किये जाने के निर्देश है। पूर्व में जिले में 34 गेहूँ कय केन्द्र अनुमोदित किये जा चुके है। जिसमें पीसीएफ द्वारा 6 क्रय केन्द्रों का प्रस्ताव, एनसीसीएफ द्वारा 3 गेहूँ कय केन्द्रों का प्रस्ताव एवं भारतीय खाद्य निगम द्वारा 4 गेहूँ कय केन्द्रों का प्रस्ताव प्रेषित किया गया है। जिसमें तहसील भिनगा अन्तर्गत क्रमशः बी-पैक्स महाम्मदपुर कला, बी-पैक्स सलारपुर, सहकारी संघ लक्ष्मनपुर बाजार, मण्डी श्रावस्ती एवं तिलकपुर में बनाया गया है। इसके अलावा तहसील इकौना में बी-पैक्स परेवपुर, सतीश वेयर हाउस पीईजी गिलौला, गौरव वर्मा पीईजी गिलौला व कल्याणपुर तथा तहसील जमुनहा में बी-पैक्स लक्ष्मनपुर सेमरहनिया, मल्हीपुर चौराहा एवं हरदत्तनगर गिरंट में बनाया गया है। उन्होने उक्त 13 गेहूँ क्रय केन्द्रों के तहसीलवार/विकास खण्डवार एवं क्रय संस्थावार सम्बन्धित क्रय एजेन्सियों के जिला प्रबन्धकों/जिला प्रभारियों को निर्देशित किया है कि उपरोक्तानुसार क्रय केन्द्रों पर समस्त आवश्यक व्यवस्थाएँ/जियो टैगिंग पूर्ण कराते हुए नियमानुसार गेहूँ क्रय का कार्य सुनिश्चित करायें।

आबकारी विभाग की नारकोटिक्स की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली-जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार की अध्यक्षता में आज आबकारी विभाग की नारकोटिक्स की समीक्षा बैठक विकास भवन स्थित सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में नारकोटिक्स संबंधी अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण करने, मुक़दमों में प्रभावी पैरवी करने एवं मुक़दमों की मैपिंग कराने के निर्देश दिये गए। बैठक में निर्देश दिए गए कि एन0डी0पी0एस0 के विगत 01 जनवरी 2023 से अब तक कितने मुकदमे हुये, उसमें से कितने दोष सिद्ध हुए, कितने दोष मुक्त हुए और कितने मुकदमे कोर्ट में विचाराधीन है, उसका ब्यौरा बनाकर अतिशीघ्र प्रस्तुत करें। निर्देश दिए गए कि पुलिस द्वारा कृत कार्यवाही तथा प्रशासन द्वारा कृत कार्यवाही का भी विवरण प्रस्तुत किया जाए।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जग प्रवेश, अपर जिलाधिकारी प्रशासन दिनेश, अपर जिलाधिकारी नगर सौरभ दुबे, जिला नारकोटिक्स अधिकारी सहित सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

स्कूटी में वाहन ने मारी टक्कर दो घायल

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ अकराबाद - मंगलवार की शाम हाईवे पर सैहोर बंबा के निकट अज्ञात वाहन ने स्कूटी में टक्कर मारदी।हादसे में स्कूटी सवार छोटेलाल निवासी ग्राम पुथिर थाना बिनावर जिला बदायूं व पड़ोसी टिंकू शर्मा निवासी भरथना भमोरा बरेली घायल होगए। दोनों लोग अपनी साली के यहां शादी समारोह में शामिल होने अलीगढ़ के गोंडा कस्बा जा रहे थे। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा है।

स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर जी की पुण्यतिथि मनाई गई एवं उनके महान व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला गया

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कांग्रेस कमेटी के आवाहन पर जलि कांग्रेस कमेटी जालौन के तत्वाधान में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एव बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जननायक स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर जी की पुण्यतिथि मनाई गई !जहाँ उनके चित्र पर माला डालकर उनके महान व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला गया ! कार्यक्रम में जलिाध्यक्ष श्री धीरेंद्र शुक्ला जी ने कहा कि उनका नारा आज भी जीवित है जहाँ उन्होंने कहा की

' 'अधिकार चाहो तो लड़ना सीखो !पग पग पर अड़ना सीखो !जीना है तो मरना सीखो ! वह जन नायक कहलाते हैं। सरल और सरस हृदय के राजनेता माने जाते थे। सामाजिक रूप से पिछड़ी किन्तु सेवा भाव के महान लक्ष्य को चरितार्थ करती नाई जाति में जन्म लेने वाले इस महानायक ने राजनीति को भी जन सेवा की भावना के साथ जिया। उनकी सेवा भावना के कारण ही उन्हें जन नायक कहा जाता था । वरिष्ठ जलि उपाध्यक्ष श्री अरविंद सेंगर और श्री कमल दोहरे ने कहा की उन्होंने अपना जीवन जीवन शोषित ,पीड़ित और असहाय लोगो के लिए समर्पित कर दिया और लोगो के बीच समता को स्थापित करना ही उनका लक्ष्य रहा और देशवासियों को सदैव अपने अधिकारों को जानने के लिए जगाते रहे, ! वही ,जलि महासहिव श्री जितेंद्र मिश्रा और श्री राजेश प्रजापति जी ने कहा की पिछड़े ,दलितों और अल्पसंख्यकों को मुख्य धारा से जोड़ने और बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में उसे प्रगति-पथ पर लाने और विकास को गति देने में उनके अपूर्व योगदान को सदैव स्मरण किया जाएगा। कार्यक्रम में उपस्थित =- मो?फ़ैज़ानुल हक ,श्री रामकुमार पुरोहित जी ,अय्यूब अंसारी जी ,श्रीमती शकुंतला पटेल जी ,श्री आला बक्श मंसूरी ,श्री अरविंद यादव जी ,श्री लोकेंद्र कुमार ,श्री बृजेन्द्र जी आदि कांग्रेसजन उपस्थित रहे !

बूथ लेवल अधिकारीयों को मिला बेस्ट इलेक्टोरल प्रैक्टिस अवार्ड

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली जनपद के दो बूथ लेवल अधिकारीयों को राज्य निर्वाचन कार्यालय लखनऊ द्वारा बेस्ट इलेक्ट्रोरल प्रैक्टिस सम्मानित किया गया आज जिला निर्वाचन अधिकारी कुमार चौहान द्वारा में दोनों बीएलओ श्री अंकित कुमार को कार्यालय लखनऊ इलेक्ट्रोरल प्रैक्टिस कर सम्मानित किया पर जिला निर्वाचन

अवार्ड से है।जिसके चलते मजिस्ट्रेट/जिला श्री अरविन्द अपने कार्यालय श्रीमती नीरज व राज्य निर्वाचन से प्राप्त बेस्ट अवार्ड को भेंट गया।इस अवसर अधिकारी ने स्वीप शामली की टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए सभी को बधाई दी और कहा सतत प्रयास और उनके सकारात्मक एवं सार्थक परिणाम के साथ स्वीप शामली पूरे प्रदेश में अग्रणी है यह उत्साहवर्धक है।अपनी भाग संख्या में उत्कृष्ट कार्य करने जेंडर व इपिक रेशियों को मेंटेन करने पर लिए उनको अवार्ड दिया गया यह पहला अवसर है जब राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जनपद के बीएलओ को राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किया गया है। नीरज विश्वकर्मा स्वीप कोर्डिनेटर ने बताया कि स्वीप शामली को लगातार सातवीं बार यह पुरस्कार प्राप्त हुआ है। इस तरीके से मिले अवार्ड- 2019 में-डॉ अजय बाबू शर्मा, 2020 में नीरज विश्वकर्मा, 2021में डॉ भूपेंद्र, 2022 में डॉ अजय बाबू शर्मा,2023 में जिलाधिकारी महोदया जसजीत कौर, 2024 में अपर जिलाधिकारी संतोष कुमार सिंह व इस वर्ष 2025 में श्रीमती नीरज व श्री अंकित कुमार को यह पुरस्कार मिला है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी सन्तोष कुमार सिंह ने कहा कि सभी बीएलओ को इससे प्रेरणा लेनी चाहिए और अपनी भाग संख्या में जेंडर और एपिक रेशो में मेंटेन करते हुए उत्कृष्ट कार्य करना चाहिए ताकि भविष्य में उनको भी यह पुरस्कार पर प्राप्त हो सके।इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक जेएस शाक्य, राकेश आदि उपस्थित रहें।

मंडी चौकी प्रभारी नितीश कुमार एक व्यक्ति को सकुशल बरामद किया

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

कोंच(जालौन) कोंच कोतवाली के मंडी चौकी के प्रभारी नितीश कुमार हमराही सिपाही अभिषेक पाल आदि को उस समय एक सफलता मिली जब कोंच के सुनील पटेल जो गुम हो गये थे और उनकी कोंच कोतवाली मे गुमसुदगी दर्ज थी और मंडी चौकी प्रभारी नितीश कुमार बराबर इस काम मे लगे थे आज मंडी चौकी के प्रभारी नितीश कुमार ने सुनील कुमार पटेल निवासी ग्राम पचीपुरा कलां हाल निवासी मोहल्ला जबाहर नगर कोंच को सकुशल बरामद कर लिया और सुनील के परिवारी जनो को बुलाकर उन्हे सुपुर्द कर

दिया सुनील को देखकर उन्हे घर वाले खुश हो गये और इस सकुशल बरामदगी के लिए पुलिस की खूब प्रसंसा करते रहे पुलिस ने जब सुनील से जाने का कारण पूछा तो सुनील ने बताया है की कर्ज से परेशान होकर वह घर से चला गया था बता दे की आयुष पटेल पुत्र सुनील कुमार पटेल निवासी ग्राम पचीपुरा कलां हाल निवास मोहल्ला जबाहर नगर कोंच ने कोतवाली मे तहरीर दी थी की घटना दिनांक 13 फरवरी की है मेरे पिता सुनील अपने घर से दुकान जाने की बात कहकर निकले थे लेकिन वह दुकान से वापिस नही लौटे तो उनकी तलाश की और रिश्तेदारी मे भी जानकारी की लेकिन उनका कोई पता नही चला इस पर कोतवाली पुलिस ने गुमसुदगी दर्ज कर सुनील की तलाश मे जुट गई थी आज पुलिस ने उसे सकुशल बरामद कर लिया

लायंस ओलंपियाड केवल परीक्षा नहीं, बल्कि प्रतिभा निखारने का मंच - अरविंद संगल

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली। लायंस ओलंपियाड केवल एक परीक्षा नहीं, बल्कि एक ऐसा मंच है जो विद्यार्थियों को अपनी शैक्षणिक क्षमताओं को निखारने और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर प्रदान करता है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों में तार्किक और विश्लेषणात्मक क्षमता का विकास होता है, जो उनके भविष्य के लिए अत्यंत लाभदायक है। ये बातें लायंस ओलंपियाड के मल्टीपल चेयरमैन लायन अरविंद संगल ने सेंट आर.सी. कान्वेंट स्कूल में आयोजित लायंस ओलंपियाड के प्रथम चरण के परिणामों के अवसर पर पुरस्कार वितरण समारोह में कहीं और बच्चों को सम्मानित करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ बच्चों के बौद्धिक विकास में सहायक होती हैं और इससे विद्यार्थियों का आत्मविश्वास भी बढ़ता है। इस अवसर विद्यालय की प्रधानाचार्य उजमा जैदी ने समारोह में विज्ञान, गणित और अंग्रेजी विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी और उन्हें आगे की परीक्षाओं के लिए कड़ी मेहनत करने

के लिए प्रेरित किया, उन्होंने लायंस ओलंपियाड के आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे आयोजनों का हिस्सा बनने की इच्छा जताई। इस ओलंपियाड में विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कक्षा 7 से अतिक्ष राणा ने ओलंपियाड परीक्षा में अपने ज्ञान का उजाला फैलाते हुए विज्ञान गणित और अंग्रेजी तीनों परीक्षा में गोल्ड मेडल हासिल कर स्टूडेंट ऑफ़ द स्कूल का खिताब अपने नाम किया वही कक्षा 8 से रूही सिंह ने अंग्रेजी और गणित में एवं कक्षा से आरव चौधरी ने मैथ और साइंस में बाजी मारते हुए दोनों ने दोनों सब्जेक्ट में सर्वोत्तम विद्यार्थी के रूप में गोल्ड मेडल प्राप्त किये। इसी प्रकार क्रमशः अंग्रेजी विषय में कक्षा 7 से दक्ष देशवाल ने सिल्वर और अर्णव चौधरी ने ब्रॉन्ज मेडल जीता, जबकि कक्षा 8 दिव्या गर्ग को सिल्वर और अपेक्षा को ब्रॉन्ज प्राप्त हुआ। विज्ञान में कक्षा 5 से आर्य मलिक ने गोल्ड, अक्षांश नारायण ने सिल्वर और अभिमन्यु बालियान ने ब्रॉन्ज जीता। कक्षा 6 में कृष्णा देशवाल ने सिल्वर और नक्श कुमार ने ब्रॉन्ज हासिल किया। कक्षा 7 में आतिश राणा को गोल्ड, दिव्या सिंह को सिल्वर और अर्णव चौधरी को ब्रॉन्ज मिला। कक्षा 8 में विधाता सिंह ने गोल्ड, कनक देशवाल ने सिल्वर और अनाया ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। कक्षा 9 में तैय्यबा जैदी ने गोल्ड, धैर्य मित्तल ने सिल्वर और अथर्व शिव ने ब्रॉन्ज जीता।गणित विषय में भी विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया। कक्षा 5 में अंश मित्तल को गोल्ड, अभिमन्यु बालियान और विहान वर्मा को सिल्वर तथा आह्वान को ब्रॉन्ज मेडल मिला। कक्षा 6 में आरव चौधरी ने गोल्ड, तन्वी गौतम ने सिल्वर और प्रियंका चौधरी ने ब्रॉन्ज जीता। कक्षा 7 में दक्ष अहलावत ने सिल्वर और दक्ष देशवाल ने ब्रॉन्ज हासिल किया। कक्षा 8 में लव कांत को सिल्वर और अनमोल विश्वकर्मा को ब्रॉन्ज मेडल मिला। कक्षा 9 में मन बालियान ने गोल्ड, अथर्व शिव ने सिल्वर और अनंत कुमार ने ब्रॉन्ज जीता। कार्यक्रम में विद्यालय के अरविंद चौधरी, मनीष मित्तल, अनुपम मित्तल, अजय गोयल, अभिषेक वर्मा, रवि हुड्डा शिक्षकगण एवं लायंस क्लब के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे। सभी ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना की और इस तरह की प्रतियोगिताओं को ज्ञानवर्धन का बेहतरीन माध्यम बताया।

62वीं वाहिनी एसएसबी भिनगा द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती- कमाण्डेंट 62 वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) भिनगा के निर्देशन में सहायक कमांडेंट (चिकित्साधिकारी) डॉ. कल्पना महादेव पाटील द्वारा 'ई' समवाय ककरदरी के कार्यक्षेत्र ककरदरी गाँव में नि:शुल्क मानव चिकित्सा (ह्र्क्ष) शिविर का आयोजन किया गया। इस चिकित्सा शिविर में 65 ग्रामीणों को चिकित्सीय परामर्श दिया गया एवं नि:शुल्क दवाओं का वितरण किया गया।इस अवसर पर डॉ. कल्पना महादेव पाटील

ने ग्रामीणों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और गंभीर बीमारियों से बचाव के उपाय बताए। इस दौरान 'ई' समवाय प्रभारी उप निरीक्षक हरि सिंह, सहायक उप निरीक्षक हृदय कुमार बर्मन, सहायक उप निरीक्षक चंदन सिंह राठौर, सहायक उप निरीक्षक (फार्मासिस्ट) आलोक कुमार यादव सहित अन्य जवान तथा ककरदरी गाँव के भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। 62वीं वाहिनी एसएसबी द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के चिकित्सा शिविरों का आयोजन कर सीमावर्ती क्षेत्रों के ग्रामीणों को स्वास्थ्य संबंधी लाभ पहुँचाने का कार्य किया जा रहा है। इस पहल से न केवल ग्रामीणों को नि:शुल्क चिकित्सा सुविधा प्राप्त हो रही है, बल्कि उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है।

जिले के छह प्रधान आरक्षक हुवे सहायक उपनिरीक्षक पद पर पदोन्नत

क्यूँ न लिखूँ सच -शैलेन्द्र राठौर

झाबुआ/पारा - गत दिनों इंदौर ग्रामीण रेंज के उप पुलिस महानिदेशक ने एक आदेश जारी कर रेंज के ग्यारह प्रधान आरक्षक को सहायक उपनिरीक्षक पद पर पदोन्नत किया जिसमे से छह प्रधान आरक्षक झाबुआ जिले के है पिछले दिनों उप पुलिस महानिदेशक ग्रामीण रेंज इंदौर ने दिनांक 10फरवरी को एक आदेश जारी कर रेंज के 10 प्रधान आरक्षक को सहायक उपनिरीक्षक के पद पर पदोन्नत किया जिसमे से छह प्रधान आरक्षक

101 किरण ,06 नानूराम ,89 ईसा खान ,498 मदन ,308 गौतम लाल, 339 बीरबल झाबुआ जिले के हे द्य उक्त सभी प्रधान आरक्षक को झाबुआ पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने स्टार लगा कर पदोन्नत किया और शुभकामनाएं दी द्य

संक्षिप्त समाचार

विधानसभा में विधायक विनोद चतुर्वेदी ने बुंदेलखंडी भाषा में किया सदन का आभार व्यक्त

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

विधानसभा में वर्तमान विधायक कालपी विनोद चतुर्वेदी ने

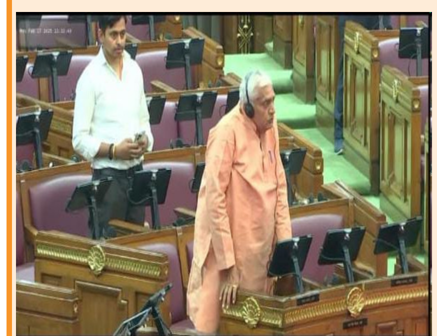

विधानसभा अध्यक्ष, मुख्यमंत्री और अन्यथा सदस्यों के मध्य बुंदेली भाषा को सदन में जगह देने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। माननीय विधायक जी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को याद दिलाते हुये कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने बुंदेली भाषा को 8वीं अनुसूची में शामिल करने हेतु प्रस्ताव रखा था जिस पर जोर देते हुए बुंदेली भाषा को 8वीं अनुसूची में शामिल करने की बात कही। वही दूसरी ओर विधायक विनोद चतुर्वेदी ने कहा कि बुंदेलखंड में पर्याप्त शिक्षा की व्यवस्था न होने के कारण शिक्षा का स्तर पर विशेष ध्यान दिया जाये और उच्च शिक्षा के संसाधन उपलब्ध कराये जाएं ताकि बुंदेलखंड से बेरोजगारी खत्म हो सके। अंत में सभी का बुंदेलखंडी भाषा में आभार व्यक्त किया।

युवाओ को रोजगार की जरूरत है-हरिओम उपाध्याय, प्रदेश के किसानो की आय दुगुनी न हो पायी-पूर्व मंत्री

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

कोंच(जालौन) समाजवादी पार्टी के नेता और प्रदेश के पूर्व होमगार्ड मंत्री पं हरिओम उपाध्याय ने कहा की प्रदेश मे युवा ओ को नोकरी नही मिल रही है और वह रोजगार की तलाश मे काफी परेशान है आज सरकार को युवाओ की चिंता नही आज के युवा काफी

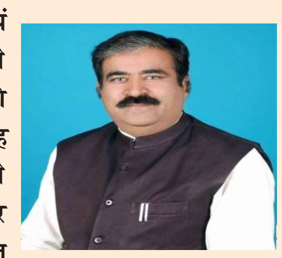

चिंता मे जी रहे है पूर्व मंत्री ने कहा की प्रदेश के किसान खाद बीज के लिए परेशान रहे अब जब इनकी फसले आ रही लेकिन उन्हे बाजीब मूल्य नही मिल पा रहा है उन्होंने कहा की प्रदेश मे अपराधी बदमाशो का बोल बाला है पीड़ित बहुत परेशान है उन्होंने नई दिल्ली मे रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ मे मारे गये लोगो के प्रति गहरी शोक संवेदनाएं व्यक्त की और कहा की इस घटना की उच्च स्तरीय जांच की जाए और जो भी दोषी हो उन पर कड़ी कार्यवाही की जाए

डीएम ने की मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के कार्यों की समीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच

जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव ने कलेक्ट्रेट स्थित सभाकक्ष में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के कार्यों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने बैंक अधिकारियों को लंबित आवेदन पत्रों का तत्काल

निस्तारण करने के लिए कहा। उन्होंने बताया कि 27 फरवरी को मा0 मुख्यमंत्री जी जनपद मुरादाबाद में योजना के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित करेंगे। उपायुक्त उद्योग अशोक कुमार उपाध्याय ने बताया कि मुख्यमंत्री युवा विकास अभियान अंतर्गत 677 आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं। इनमें से 123 बैंकों द्वारा स्वीकृत कर दिए गए हैं तथा इन स्वीकृत आवेदन पत्रों में से 23 लाभार्थियों के ऋण भी वितरित कर दिए गए हैं। इस अवसर पर एडीएम प्रशासन अरुण कुमार, जिला समन्वयक राजेश कुमार पाण्डेय सहित अन्य बैंक अधिकारी व प्रतिनिधि मौजूद रहे।

थाना कादरचौक पुलिस को मिली बड़ी सफलता

क्यूँ न लिखूँ सच

आज एसएसपी डॉ0 बृजेश कुमार सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे मादक पदार्थ की बिक्री एवं तस्करी की रोकथाम के लिए अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध गिरफ्तारी अभियान के अन्तर्गत आज थाना कादरचौक पुलिस द्वारा संदिग्ध व्यक्ति / वाहन चैकिंग के दौरान एक अर्टिका गाडी सं0 क्र16CK 2406 के अन्दर बैठे 06 नफर अभियुक्तगण 1. आलिम पुत्र विदरीश निवासी ग्राम आसपुर थाना अलापुर जनपद बदायूँ 2. टिन्कू पुत्र सिपट्टर निवासी ग्राम चन्दीनगला थाना अलापुर जनपद बदायूँ 3. मुकर्रम पुत्र नन्हे निवासी ग्राम मसूदपुरा थाना उसहैत जनपद बदायूँ 4. शिवानी नाईक उर्फ सुमिता नाइक पुत्री सुभाष नाईक उर्फ राहुल नाइक निवासी ग्राम बैंगी पानी थाना मथली जिला मलकान गिरि (राज्य उडीसा) 5. गीता जानी पुत्री घासीराम निवासी ग्राम निगुरी थाना सिमली कुड़ा जिला कोटापुर (राज्य उडीसा) 6. रिया नाईक उर्फ ज्योति नाइक पुत्री सुरेश उर्फ राजेन्द्र नाईक निवासी ग्राम बैंगी पानी थाना मथली जिला मलकान गिरि (राज्य उडीसा) के कब्जे से 20 कि0 ग्रा0 गांजा बरामद किया गया । गिरफ्तारी/बरामदगी के आधार पर थाना कादरचौक पर मु0अ0सं0-40/2025 धारा 8/20 NDPS Act पंजीकृत किया गया। विस्तृत पूछताछ पर पता चला कि अभि0 आलिम उपरोक्त उडीसा से मादक पदार्थ (गांजा) अपने सहअभियुक्तों के साथ लाकर दिल्ली आदि स्थानों पर सप्लाई करता है,

If you want to stay healthy and young for a long time, then do these 5 yogasanas, old age will not even come near you

Who does not want to stay healthy and young? Everyone wants to stay healthy for a long time and the signs of aging do not appear early. However, this is not so difficult. You can fulfill your dream of staying young and healthy by incorporating yoga (Yoga To Stay Healthy) in your life along with healthy food. Let's know how. Doing yoga is necessary to stay healthy. Doing yoga increases the flexibility of the body. Some yogasanas also help in reducing the symptoms of aging. In today's busy life, everyone wants to look healthy and young. Yoga not only improves physical health, but also increases mental peace and skin glow. By doing yoga regularly, the body remains flexible, energetic and healthy. Let's know about 5 such yogasanas (Yoga Poses To Stay Healthy), which will help you look young and healthy. 1. Singhasan (Lion Pose) Singhasan is also called "lion's pose". This asana strengthens the muscles of the face and helps in keeping the skin tight. Doing this asana reduces the wrinkles of the neck and face, which makes you look young. How to do? Sit in Vajrasana and keep the hands on the knees. Take a deep breath and open the mouth and take out the tongue. Make the sound of "ha" while exhaling. Repeat this 5-7 times. 2. Halasana (Plow Pose) Halasana helps in detoxifying the whole body. This asana makes the spine flexible and activates the thyroid gland, which keeps the body's metabolism balanced. It improves the skin and reduces hair fall. How to do? Lie on the back and raise the legs. Take the feet behind the head and place the toes on the ground. Keep the hands straight on the ground and stay in this position for a few seconds. 3. Sarvangasana (Shoulder Stand Pose) Sarvangasana is called the "asana of all the organs". It improves blood circulation in the body and improves the complexion of the face. This asana removes fatigue and transmits energy in the body. How to do? Lie on the back and raise the legs. Support the waist with the hands and lift the body straight upwards. Keep the neck and head steady and stay in this position for a few seconds. 4. Matsyasana (Fish Pose) Matsyasana strengthens the muscles of the throat and chest.

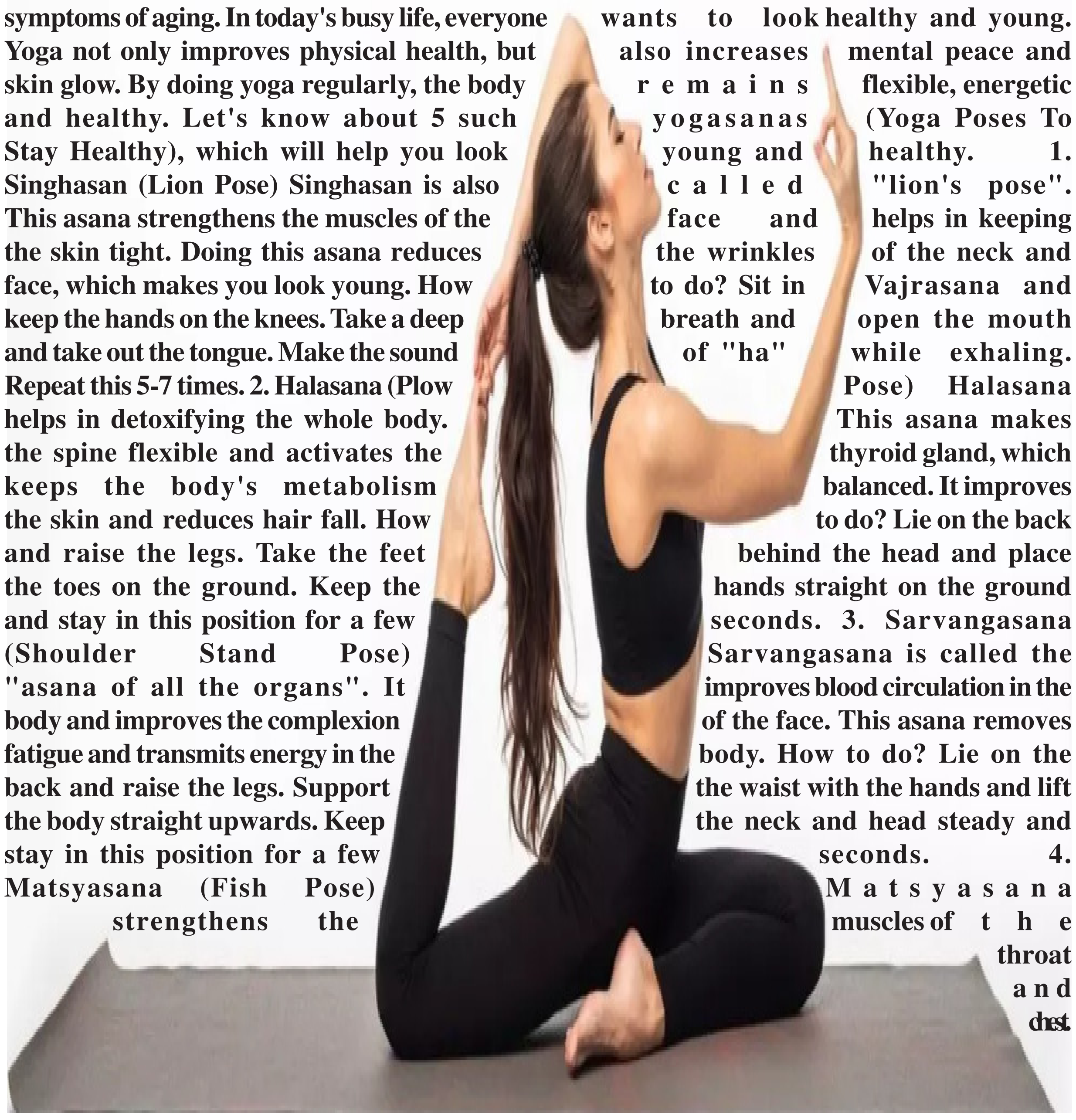

This asana increases the capacity of the lungs and replenishes the lack of oxygen to the skin, making the skin shiny. How to do? Sit in Padmasana and lie down on the back. Lift the chest up and rest the top of the head on the ground. Hold the toes with the hands and stay in this position for a few seconds. 5. Uttanasana (Standing Forward Bend Pose) Uttanasana improves blood circulation in the body and relieves stress. This asana helps in reducing facial wrinkles and detoxes the body. How to do it? Stand straight and raise your hands up. Bend forward from the waist and try to touch the toes with the hands. Bring the head near the knees and stay in this position for a few seconds.

If you want to make the saree look even more special, then these 7 tips will enhance your beauty

Saree is a popular Indian dress that can be worn on any occasion. Many people also like it very much but often have to face a lot of difficulties in wearing it. In such a situation, today in this article we will tell you about some such tips with the help of which you can easily do the perfect saree style (Saree Styling Tips). Saree is a very popular Indian dress. However, it is difficult for many people to wear it. In such a situation, you can easily style a saree by following some tips. Saree is an important part of Indian attire. Wearing it enhances the beauty of every woman. Whatever the occasion, saree proves to be the perfect outfit for

every occasion. However, many people find it very difficult to wear it. Also, many people do not know the right way to wear it, due to which many times they do not get the look they want. In such a situation, today in this article we will tell you about some such tips for wearing a saree, with the help of which you can get a beautiful and great look in a saree. Let's know what these tips are-Tip 1 - Choose the right fabricFabric sets the tone. Light fabrics like chiffon are perfect for a flowy and casual look. At the same time, silk or brocade are great for formal and elegant occasions. Tip 2 - Make your pleats perfect-Bad and disorganized pleats can spoil your look. Therefore, neat and organized pleats are considered the key to looking attractive. Therefore, to make good pleats, keep equal distance between them and make them a little wider. Tip 3 - Do something new with the palluThe pallu plays a very important role in making the saree attractive. So try different ways to style it. A pallu hanging at the back or a wavy open look can make your outfit even more attractive. Tip 4 - Keep in mind the height of the saree- Where you are tying the saree affects your look to a great extent. Match the saree to your waist. Wearing it high on the waist will give a traditional look, while wearing it below the waist gives a more contemporary vibe. Tip 5 - Use accessories- Statement jewellery, belts and clutches will look great with your saree and can instantly enhance your style. You can use an attractive belt or waist chain to get a modern look. Tip 6 - Choose the right footwear- What footwear you choose with the saree affects your look to a great extent. Only the right footwear can complete your saree look. You can pair heels, wedges or ankle boots for a fashionable, on-trend finish. Tip 7 - The perfect blouse is also important- Your saree look is incomplete until you choose the right blouse. It would be a good idea to pair your saree with a modern designed blouse. You can try a crop top or a jacket-style blouse for this.

Best 5 places to visit before summer starts, you will be convinced of their beauty

It is very difficult to plan a trip in the summer season. Due to the scorching sun and humidity, it becomes very difficult to enjoy the trip. In such a situation, you can visit some beautiful places before the summer starts (Travel Guide). The weather of these places is very pleasant before summer and there are many beautiful places to visit here. It becomes difficult to go anywhere due to strong sunlight in summer. The weather is very pleasant from February to April in some places of India. Experiencing the beauty and culture of these places can be very pleasant. To avoid the scorching sun and humidity of summer, planning to travel in the months of February to April is a great ideaa. With this, you can enjoy the trip to the fullest without getting troubled by the heat. There are many places in India (Indian Travel Spots) which are perfect to visit before summer. Some of the best places are - Coorg, Udaipur, Banaras, Kutch and Mahabalipuram. Let's know about these places (Travel Ideas In India). Coorg, Karnataka-Coorg, also known as Kodagu, is a beautiful hill station located in the state of Karnataka. This place is famous for its lush coffee plantations, waterfalls and dense forests. The weather here is pleasant before summer, which makes it a perfect time to visit. Tourist spots like Abbi Waterfall, Dubre Lake and Raja's Seat are the main attractions here. Coorg is a great option for nature lovers and adventure enthusiasts. Udaipur, Rajasthan Udaipur, called the "City of Lakes", is a beautiful city in Rajasthan. Its lakes, palaces and narrow streets make it a romantic and peaceful place. The weather here is quite pleasant before summer, which makes it a great time to visit. Places like City Palace, Lake Pichola and Jag Mandir are the main attractions here. The cultural heritage and royal splendor of Udaipur will mesmerize you.Banaras, Uttar Pradesh- Banaras, also known as Varanasi, is one of the oldest and holiest cities of India. Situated on the banks of the river Ganges, this city is famous for its ghats, temples and spiritual atmosphere. The weather here is very pleasant before summer, which makes it a perfect time to visit. Places like Dashashwamedh Ghat, Kashi Vishwanath Temple and Sarnath are the main attractions here. The spiritual energy and cultural heritage of Banaras will give you a unique experience.Kutch, Gujarat-Kutch is a huge and beautiful district located in the state of Gujarat. This place is famous for its vast Rann (salt field) and handicrafts. The weather here is very pleasant before summer, which makes it a perfect time to visit. Places like Great Rann of Kutch, Dhordo and Hodka are the main attractions here. The natural beauty and cultural diversity of Kutch will captivate you. Mahabalipuram, Tamil Nadu - Mahabalipuram is a historical city located in the state of Tamil Nadu. This place is famous for its ancient temples and rock-cut architecture. The weather here is very pleasant before summer, which makes it a great time to visit. Places like Shore Temple, Panch Rath and Krishna's Butter Ball are the main attractions here. The historical and cultural heritage of Mahabalipuram will give you a unique experience.

This actress' entry in Hrithik Roshan's Krrish 4 is confirmed, Rakesh Roshan has put his seal of approval?

Krrish 4 Superstar Hrithik Roshan's Krrish franchise has made a special place in the hearts of cinema lovers. Fans have been eagerly waiting for the fourth part of this superhero movie for a long time. Director Rakesh Roshan has already put his seal of approval on its production.

Now he has revealed the actress who will be seen in Krrish 4. Bollywood's successful film franchise Krrish This actress will be seen in Hrithik Roshan's movie-Everyone is waiting for the superhero film Krrish 4. The headlines have been hot for a long time regarding the fourth installment of Bollywood's most successful superhero film franchise Krrish. Everyone is waiting for the release of Krrish 4. Latest updates keep coming out every day about this Hrithik Roshan starrer movie. But at this time big news is coming out about the Krrish 4 actress. About which Hrithik's father and film director Rakesh Roshan himself has put his seal. Let us know which actress will be seen in Krrish 4. This actress will be seen in Krrish 4 - Recently The Roshans documentary-series was released on the OTT platform Netflix. In which the inside story of the struggle and success of the Roshan family was shown. The special thing is that it got a positive response from the audience and critics. Recently Rakesh Roshan hosted a success party regarding this docu-series. Veteran actress Rekha was also seen with Rakesh Roshan in this party and during this the paparazzi asked Rakesh a question about Rekha's appearance in Krrish 4. To which he agreed and said that everything is there, you will get to see it. It is clear from Rakesh Roshan's statement that you will get to see Rekha in Hrithik Roshan starrer Krrish 4. Let us tell you that Rekha is a part of this superhero film since Koi Mil Gaya Hai. She has played an important role in Krrish and Krrish 3. It is expected that once again in Krrish 4 she will win the hearts of the fans with her amazing acting. However, no information has been revealed yet about the release date of Krrish 4. Will Priyanka Chopra make a re-entry - Actually, actress Priyanka Chopra has appeared in the last two Krrish with Hrithik Roshan. Her presence in this movie has had a very deep impact. But the big question is that now that Priyanka has distanced herself from Bollywood, will she return for Krrish 4 or will Rakesh Roshan cast another actress in her place. In such a situation, there are still clouds of doubt about Priyanka's re-entry in Krrish 4.

When Salman Khan was stunned to hear this about Sanam Teri Kasam, Sikandar could not save the film from flop

When Sanam Teri Kasam was released 9 years ago, there was no buzz about it. On the failure of the film, director Vinay Sapru said that the person who came to help him at that time was none other than Salman Khan. Vinay told how Salman helped him. Know about this. Sanam Teri Kasam flopped in 2016- Sanam Teri Kasam rocked the re-release- Salman was ahead to help Sanam Teri Kasam Sanam Teri Kasam is the highest-grossing re-release film till date. However, when it was released in 2016, it flopped badly. The story of the film was new, the songs were good, but the movie could not become a hit. Recently, director Vinay Sapru has told the reason for the flop of Sanam Teri Kasam. Also, he has revealed what help Salman Khan gave for this movie. Sanam Teri Kasam was released in 2016. It was written and directed by Vinay Sapru and Radhika Rao, while the film was produced by Deepak Mukut. Harshvardhan Rane and Pakistani actress Mawra Hocane made their Bollywood debut with this film. Both the stars and directors expected the film to be a superhit, but it did not happen. Harshvardhan-Mawra used to sit in the studio all day - Vinay Sapru told in a recent interview that he had put heart and soul into making Sanam Teri Kasam and he was sure that he was making a good film. However, the studio did not show any interest in promoting the film, which is why it could not become a hit at that time. In a conversation with DNA, Vinay told that Harshvardhan and Mawra used to sit in the studio all day, but there was no promotion. Despite the songs being good, there was no buzz about the film. Even people did not know when the film was releasing. Salman Khan was shocked- Sanam Teri Kasam was just a few days away from release and Vinay Sapru was scrambling to promote it. When nothing worked, he went to Salman Khan to ask for help. The director said about this, "I met Salman and told him about the release of my film. He asked, 'When is it releasing?' and I replied, 'In the next four days.' He was stunned and asked, 'There is no discussion about your film and you are releasing it? Why didn't you come to Bigg Boss for promotion?'" Vinay Sapru further told, "Then I shared my struggles with him, and after listening he immediately asked, 'What can I help you with, Vinay ji?' We requested him to tweet our trailer and he did so without any hesitation. This is what friendship means to him. I am really grateful that he was there for us at a time of such crisis."

Where is the logic? What did Karan Johar say about SS Rajamouli's films, also mentioned the handpump scene of Gadar

Karan Johar, one of the veteran directors of Hindi cinema, has commented on the films of South cinema's famous director SS Rajamouli. He said that there is no logic in Rajamouli's films. Rajamouli has directed films like Bahubali and RRR. Know why Karan has said this about Rajamouli. Karan Johar's comment on Rajamouli's films Karan spoke about films becoming hits without logic Also mentioned the handpump scene in Karan-Sunny Deol's Gadar SS Rajamouli's film career is like a golden chapter in the history of Indian cinema. A director who gave Telugu cinema recognition at the national and international level. Today he is counted among the best directors in the cinema world. But Karan Johar has described his films as without logic.

Movies like Bahubali and RRR, which are among the highest grossing Indian films, are directed by SS Rajamouli. But Karan believes that there is no logic in Rajamouli's films because his films are based on faith. There is no logic in Rajamouli's films - Karan Johar feels that the blockbuster films of great filmmakers have nothing to do with logic. In a conversation with Komal Nahata, Karan said, conviction is very important. If you look at anything, especially if you analyze the journey of the best filmmakers, you will see that the biggest hit films are made on conviction. Logic does not matter in a film. For example, take any film of Rajamouli sir, where do you see logic? You only see conviction. When conviction comes to the fore, the audience also believes in it. Gave the example of a scene from Gadar Karan Johar mentioned blockbuster films, which have more conviction than logic. He said, "Look at the big films - whether it is Animal, RRR or Gadar - these films are made with conviction. If you can beat thousands of people with a hand pump, that is conviction, isn't it? Anil Sharma believes that Sunny Deol can do it. That is conviction." Karan Johar said that the problem occurs when filmmakers start doubting themselves and start focusing on logic in order to guess the audience. It is known that SS Rajamouli is going to bring another much awaited film, in which Priyanka Chopra and Mahesh Babu are playing the lead roles. The title has not been announced yet.